फरवरी 2026

₹ 20

समाजवादी बुलेटिन

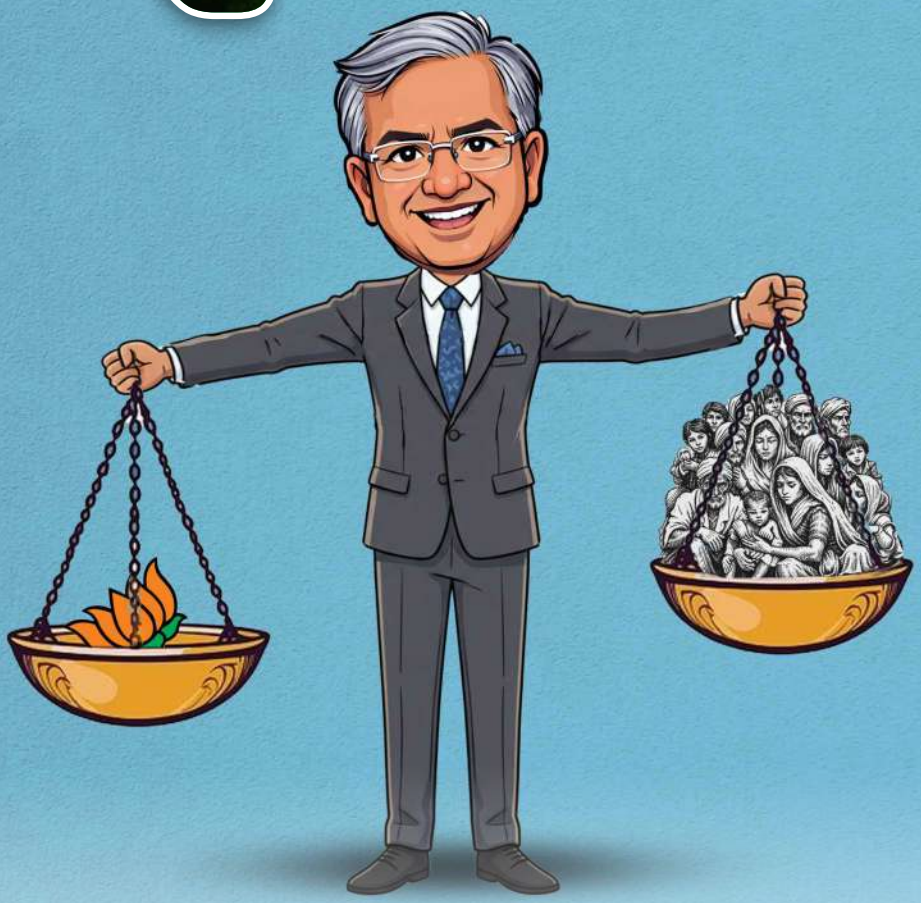

लोकतंत्र पर आघात

चुनाव आयोग का पक्षपात

R.N.I. No. 68832/97

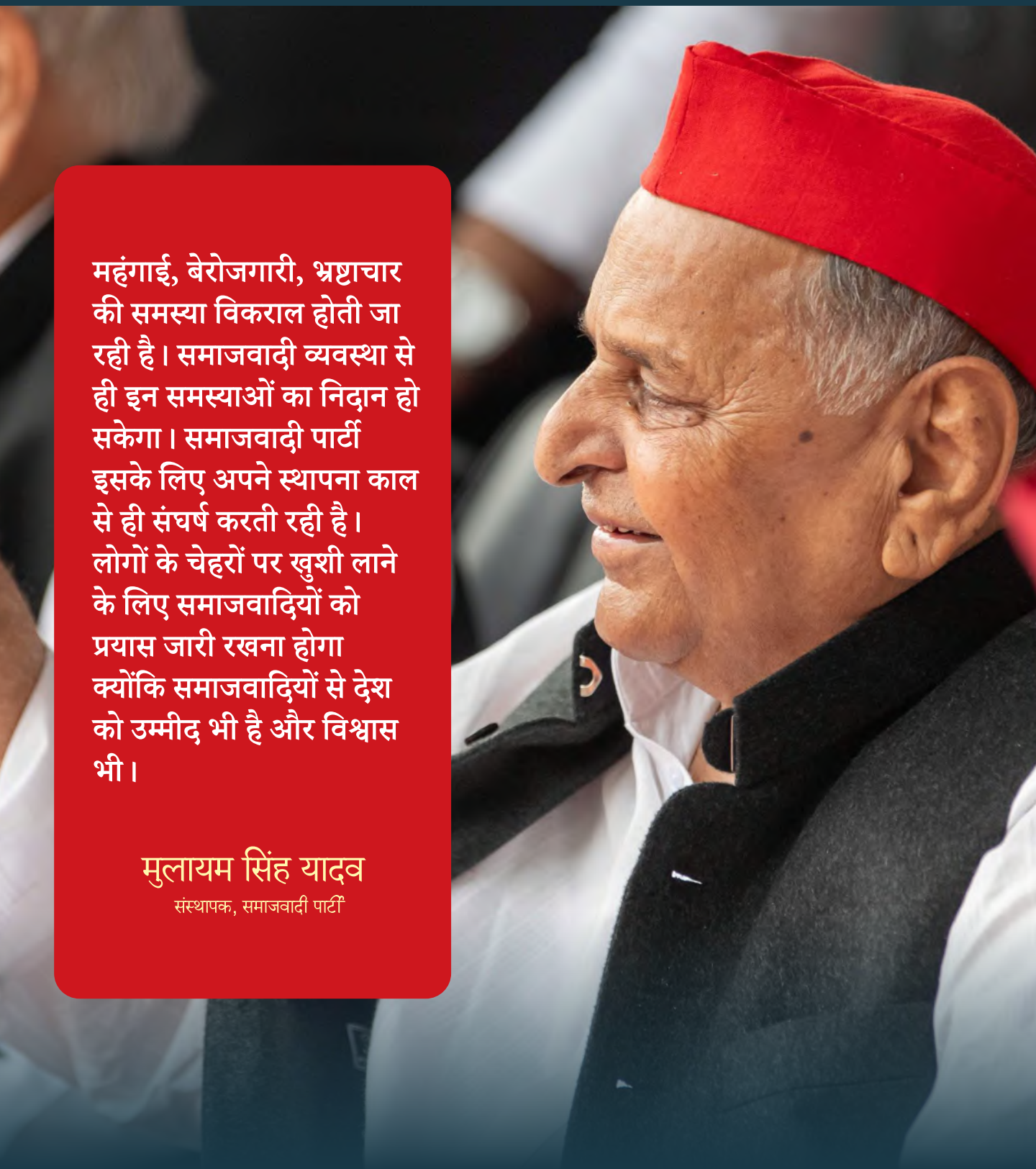

महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार की समस्या विकराल होती जा रही है। समाजवादी व्यवस्था से ही इन समस्याओं का निदान हो सकेगा। समाजवादी पार्टी इसके लिए अपने स्थापना काल से ही संघर्ष करती रही है। लोगों के चेहरों पर खुशी लाने के लिए समाजवादियों को प्रयास जारी रखना होगा क्योंकि समाजवादियों से देश को उम्मीद भी है और विश्वास भी।

मुलायम सिंह यादव

संस्थापक, समाजवादी पार्टी

समाजवादी बुलेटिन

फरवरी 2026
वर्ष 27 | संख्या 04

PDA काव्य विचार

जन-जन का है यह विचार,
हटानी है अत्याचारी सरकार।
प्रदेश में लानी है फिर खुशहाली,
चहुंओर बहेगी विकास की बयार।
नौजवानों को मिलेगा रोजगार,
2027 में बनेगी PDA सरकार॥

शाकिर अंसारी
टांडा, अंबेडकरनगर

प्रिय पाठकों,

PDA काव्य विचार के लिए आपकी स्वरचित लघु कविता का स्वागत है। केवल उन्हीं लघु कविताओं पर विचार किया जाएगा जो PDA केन्द्रित, सुस्पष्ट, मौलिक, न्यूनतम 4 से 6 लाइनों में टाइपशुदा होंगी। अपनी लघु कविता ईमेल teamsbeditorial@gmail.com पर अपने नाम और पते के साथ भेजें।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक
प्रोफेसर रामगोपाल यादव
☎ 0522 - 2235454
samajwadibulletin19@gmail.com
bulletinsamajwadi@gmail.com
Mob:- 9598909095
/samajwadiparty

समाजवादी पार्टी के लिए
19, विक्रमादित्य मार्ग, लखनऊ से प्रकाशित
अवध पब्लिशिंग हाउस, 8 पान दरीबा, लखनऊ से मुद्रित
R.N.I. No. 68832/97

अंदर

देश को बर्बाद कर देगी स्वदेशी का नारा लगाने वालों की 'डील' 24

10 कवर स्टोरी

लोकतंत्र पर आघात चुनाव आयोग का पक्षपात

अखिलेश के दौरों में उमड़ रहा युवा जोश 04

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के दौरों में उमड़ रहा युवा जोश 2027 की विजय का पताका लहरा दे रहा है। ये जोश, उमंग, उत्साह गवाही दे रहा है कि 2027 में समाजवादी सरकार बनने जा रही है।

शंकराचार्य से प्रमाण पत्र मांगने वाले योगी होने का सबूत भी दें 38
यूपी में फर्जी एनकाउंटर पर हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी 40

अखिलेश के दौरों में उमड़ रहा युवा जोश

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों के दौरों में उमड़ रहा युवा जोश 2027 की विजय का पताका लहरा दे रहा है। ये जोश, उमंग, उत्साह गवाही दे रहा है कि 2027 में समाजवादी सरकार बनने जा रही है। युवाओं का जोश यह भी गवाही दे रहा है कि वह भाजपा सरकार से आजिज़ आ चुका है और अब वह जल्द से जल्द इस सरकार से निजात पाना चाहता है। उसे अखिलेश सरकार से बहुत उम्मीदें हैं।

हाल में श्री अखिलेश यादव कन्नौज, उन्नाव, फतेहपुर, उन्नाव, कानपुर और इटावा आदि जिलों के दौरों पर थे। जहां पहुंचे, युवाओं का सैलाब उनकी झलक पाने, स्वागत करने, सेल्फी लेने या फोटो खिंचवाने के लिए उमड़ पड़ा। सुरक्षाकर्मियों को युवाओं के सैलाब को रोकने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी।

7 फरवरी को श्री अखिलेश यादव कन्नौज में थे। वे कन्नौज के सांसद भी हैं। श्री अखिलेश यादव के पहुंचते ही युवाओं, बुजुर्गों, महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

यहां मीडिया से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश के सामने खतरा पैदा कर दिया है। सरकार ने अमेरिका को पांच सौ बिलियन डालर का व्यापार दे दिया है। खेती-बाड़ी दे दी।

भाजपा देश का बाजार और अर्थव्यवस्था दूसरे देशों के हाथों में दे रही है। इससे हमारा

किसान बर्बाद हो जाएगा। खेती खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी को कोई खतरा नहीं है। खतरा भाजपा ने देश के किसानों के सामने खड़ा कर दिया है।

श्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर कहा कि एसआईआर बहुत महत्वपूर्ण है। भाजपा के लोग नई पीढ़ी से घबराए हुए हैं। नई पीढ़ी का युवा नौकरी और रोजगार चाहता है। भाजपा युवाओं को नौकरी और रोजगार नहीं दे पा रही है इसीलिए जनता को एसआईआर और वोटर लिस्ट में उलझाए हुए हैं।

कभी वोट काटते हैं और कभी वोट जोड़ते हैं। अपने माध्यम से शिकायत करा देते हैं। कई लोग पकड़े गए हैं जिनके फार्मों पर दस्तखत नकली हैं। ये लोग अल्पसंख्यकों का वोट काटने के लिए फर्जी दस्तखत के फार्म भरवा रहे हैं। भाजपाइयों द्वारा पीडीए के वोट काटने के लिए हर दिन बड़ी संख्या में फार्म 7 के भरने के सबूत मिल रहे है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि कन्नौज में सपा सरकार में बहुत काम हुए हैं। जनता चाहती है कि इलाज अच्छा मिले, बिजली सस्ती मिले। नौकरी रोजगार मिले और अच्छी सड़के मिले। हम लोग जनता की सेवा करेंगे। सरकार आने पर और काम करेंगे। उन्होंने कहा कि टेनिस बॉल क्रिकेट का खेल किसी उम्र के लोग खेल सकते हैं। इसे बच्चे भी खेल सकते हैं। सब लोग खेल सकते हैं। सपा सरकार बनने पर कन्नौज के तिर्वा में देश का बेहतरीन स्पोर्ट्स कांपलेक्स बनाएंगे। कन्नौज में बड़े मैच कराएंगे। लखनऊ में जब-जब अन्तर्राष्ट्रीय मैच होगा तो कन्नौज के लोगों और नौजवानों को ले जाकर मैच दिखाएंगे।

20 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव फतेहपुर व रायबरेली जनपद के दौरे पर थे। रायबरेली में मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में हमारे बटुकों का अपमान हुआ है। जिन्होंने बटुकों के साथ दुव्यर्वहार किया है उन्हें पाप लगेगा। वे पापी कहलाएंगे। इस सरकार के दोनों

उपमुख्यमंत्री मिलकर दोषियों को सजा नहीं दिलवा पा रहे हैं। अगर दो दिन में सजा नहीं दिला पाए तो मुख्यमंत्री जापान चले जाएंगे तो क्या उपमुख्यमंत्री धरना देने जापान जाएंगे।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब से पौराणिक परंपराओं को माना जा रहा है तबसे आज तक शंकराचार्य जी पर कोई आरोप नहीं लगा पाया और न किसी ने धार्मिक कार्यों से रोका। नकली सनातनियों ने प्रयागराज माघ मेले में पूज्य शंकराचार्य को अपमानित किया। गंगा जी में स्नान से रोका।

श्री यादव ने कहा कि जिनके पास अपना योगी होने का प्रमाण पत्र नहीं है वह पूज्य शंकराचार्य से प्रमाण पत्र मांग रहे हैं। विधानसभा में मुख्यमंत्री जी की जो भाषा रही सभी ने देखा। शंकराचार्य जी ने बता दिया कि इस तरह की भाषा कौन लोग बोलते हैं।

फतेहपुर में मीडिया से बातचीत करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश में निवेश का झूठा दावा कर रही है। अगर निवेश आता होता तो जमीन पर नौकरी रोजगार दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि आंकड़ों में भी कहीं नौकरी रोजगार नहीं दिखाई दे रहा है जबकि आंकड़ें बता रहे है कि प्रदेश की कानून व्यवस्था खराब है। महिलाओं के साथ सबसे ज्यादा अपराध की घटनाएं यूपी में हो रही हैं। सबसे ज्यादा बेरोजगार उत्तर प्रदेश में है। सबसे ज्यादा साइबर अपराध यूपी में हो रहा है।

भाजपा सरकार ने उत्तर प्रदेश में भूमाफिया, कोडीन माफिया, नकल माफिया समेत कई तरह के माफिया पैदा किये है। भाजपा के नेता जमीनों पर अवैध कब्जा कर रहे हैं। भाजपा जमीन माफियाओं को संरक्षण दे रही है।

श्री अखिलेश यादव ने किसानों, नौजवानों और प्रदेश की जनता से अपील की है कि भाजपा को हटाओ, नहीं तो यह सरकार गेहूं, चावल, दाल, दूध सब कुछ अमेरिका से ले आएगी। यहां का किसान बर्बाद हो जाएगा। भाजपा सरकार ने बिजली मंहगी कर दी। खुद एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं बढ़ाया। बिजली के मीटरों में बड़े पैमाने पर घपलेबाजी है। मीटर तेज चलता है, बिल ज्यादा आता है।

P
D
A

ममता से मिले अखिलेश

दीदी को सपा का पूरा समर्थन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने 27 जनवरी को कोलकाता दौरे पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी से मुलाकात की और जनता के लिए भाजपा से डटकर मुकाबला करने पर उनकी जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा कि ईडी-सीबीआई और इनकम टैक्स भाजपा के संगठन हैं। ये एजेंसिया बीजेपी संगठन के साथ चलती है। भाजपा को लगता है कि वह जिस राज्य में नहीं लड़ पाएगी वहां इन एजेंसियों को आगे कर देती है। श्री अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी को बधाई देते हुए कहा कि मैं दीदी की हिम्मत, तृणमूल कांग्रेस और इनके कार्यकर्ताओं को बधाई देता हूं कि ये सब जिम्मेदारी से जनता के लिए लड़ रहे हैं।

सुश्री ममता बनर्जी से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने पूरा महाराष्ट्र का

चुनाव ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स के साथ लड़ा और उन्हीं के बल पर जीता। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि एसआईआर ही एनआरसी है। देश में कई लोगों को नागरिकता साबित करनी पड़ रही है। अभी तक वोट चोरी की ही बात हो रही थी। ममता दीदी ने तो पश्चिम बंगाल में भाजपा के डिजिटल डकैती को रोका है। भाजपा डेटा की डकैती करना चाहती थी। भाजपा लोकतंत्र की हत्या कर रही है। संविधान और कानून नहीं मान रही है। तानाशाही पर उतारू है।

पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जी ही भाजपा का मुकाबला कर रही हैं। इसी तरह से मुकाबला करने से ही भाजपा को हराया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस के लोगों को जितना तकलीफ और परेशानी दे सकती थी उतना दे रही है। भाजपा का रवैया अलोकतांत्रिक है। हमें खुशी है कि दीदी ने ईडी को हरा दिया।

श्री यादव ने कहा कि पहले जब चुनाव आता था तो चुनाव आयोग वोटरों को मतदान के लिए प्रोत्साहित करता था। अभियान चलाता था कि ज्यादा से ज्यादा लोग वोट डालने के लिए निकलें और मतदान करें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमें बंगाल की जनता पर भरोसा है। जनता में ममता दीदी के प्रति प्यार और लगाव है। जनता फिर ममता दीदी की सरकार बनाएगी। भाजपा की लड़ाई तो हारने की लड़ाई है। बंगाल की जनता भाजपा को हराएगी। पश्चिम बंगाल पूरी तरह ममता दीदी के साथ है। दीदी फिर जीतेंगी। समाजवादी पार्टी का पूरा समर्थन ममता दीदी के साथ है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा जेन जी से घबराई हुई है। नेपाल, बांग्लादेश और अन्य देशों में नौजवानों ने अपने सवालों को लेकर जिस तरह से आवाज उठाई, उससे भाजपा घबराई है। भाजपा जनता को परेशान करने के लिए उलझाए रखना चाहती है। जनता के मुद्दे न उठे उसके लिए हर तरह का प्रयास करती है। उसी कड़ी में एसआईआर लाया गया है। एसआईआर से वोट नहीं जोड़ा जा रहा है, वोट काटा जा रहा है।

इटावा में उन्होंने पटसन व अन्य सामग्री बनानेवाली वयोवृद्ध कलाकार से मुलाकात करने के बाद कहा कि इटावा कला-कृतियों का बड़ा केंद्र बन सकता है। यहाँ का कला उद्योग अगर देश-दुनिया के मानचित्र पर सम्मान और स्थान पायेगा तो उन कलाकारों का भी मान बढ़ेगा, जो हर संघर्ष के बीच इस कला को ज़िंदा रखने के लिए दिन-रात प्रयासरत और प्रतिबद्ध हैं। आज एक ऐसी ही वयोवृद्ध कलाकार से मिलकर अपना वादा पूरा किया और उनका आशीर्वाद-आशीष पाया, जो सालों से जितना मुझसे मिलने के लिए इच्छुक थीं, उससे भी ज़्यादा मैं उनसे मिलने के लिए उत्सुक था।

लोकतंत्र पर आघात

चुनाव आयोग का पक्षपात

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में चुनाव आयोग की ओर से चलाया जा रहा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम यानी SIR (एसआईआर) पूरी तरह से विवादों में घिर गया है। ऐसी शिकायतें बढ़ती जा रही हैं कि सत्तारूढ़ भाजपा चुनाव आयोग से मिलकर एसआईआर में गड़बड़ियां कर रही है। चुनाव आयोग भाजपा के सहयोगी दल की भूमिका में है। यह आरोप भी लग रहे हैं कि भाजपा फर्जी तरीके से दस्तखत करके PDA और खासकर अल्पसंख्यकों को वोट कटवाने की साजिश कर रही है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पीडीए प्रहरियों की सक्रियता से पूरे प्रदेश में भाजपा का फर्जीवाड़ा पकड़ा जा रहा है। फर्जीवाड़े के खिलाफ नियम और कानून होने के बावजूद चुनाव आयोग दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

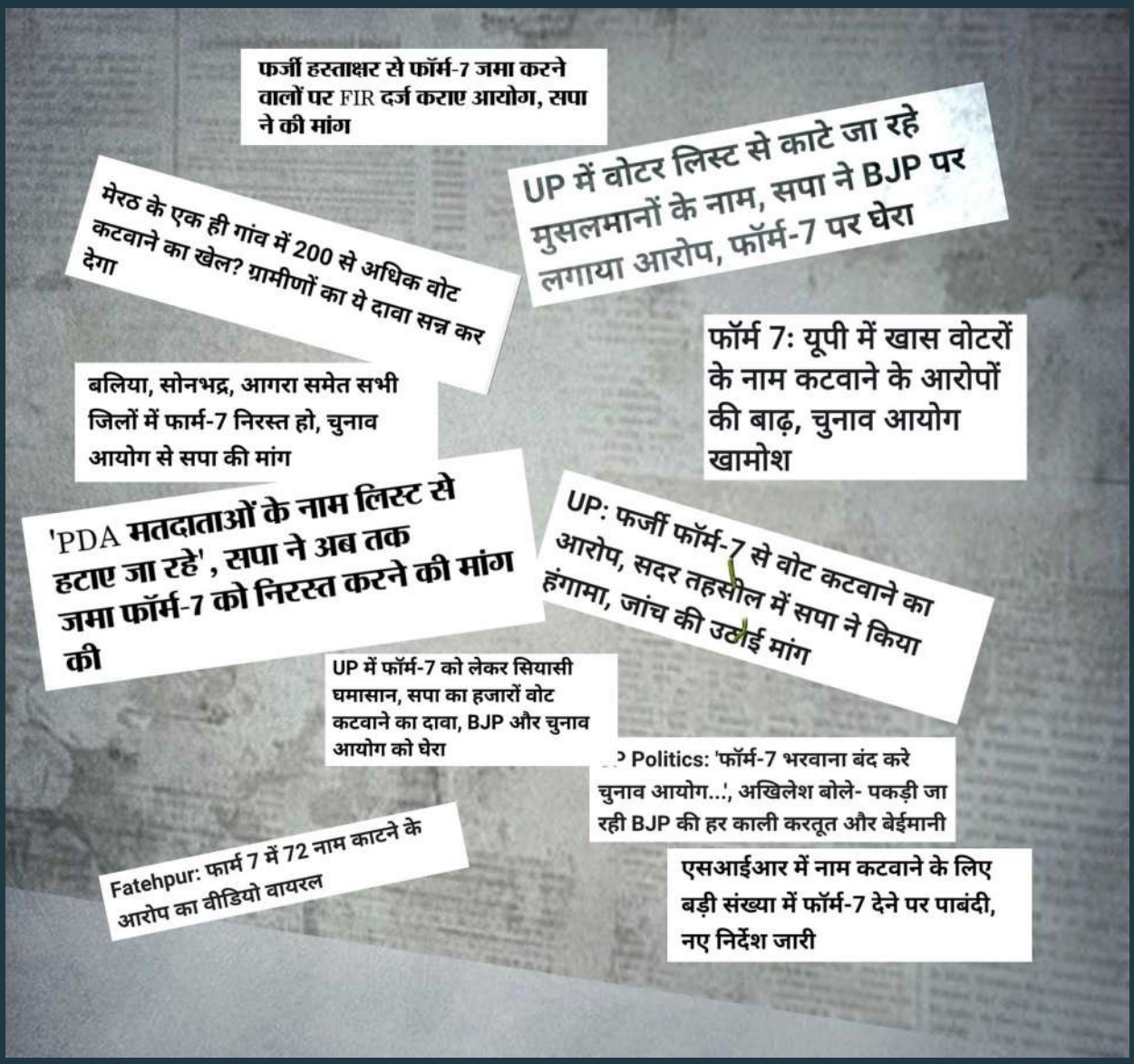

उल्लेखनीय है कि भाजपा के शासन में सूबे में हुए अधिकांश उपचुनावों के दौरान भी चुनाव आयोग की भूमिका सवालों के घेरे में रही है। यही कारण है कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बेबाकी से कह रहे हैं कि चुनाव आयोग जिस तरह से कार्य कर रहा है, उसे तो अपनी बिल्डिंग पर भाजपा का झंडा लगा लेना चाहिए।

इस मामले को समाजवादी पार्टी निरंतर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी को प्रेषित कर रही है और साथ ही केंद्रीय चुनाव आयोग को भी लिखित शिकायतें भेजी जा रही हैं

दरअसल सपा मुखिया की यह टिप्पणी स्पष्ट करती है कि आयोग की नाक के नीचे फॉर्म 7 का घनघोर तरीके से बेजा इस्तेमाल कर वास्तविक मतदाताओं को भाजपा द्वारा हटाया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस पूरे प्रकरण पर समाजवादी पार्टी द्वारा लगातार फॉर्म 7 के गलत इस्तेमाल के मामलों को चुनाव आयोग के संज्ञान में लाने के बावजूद हालात जस के तस हैं।

दरअसल भाजपा ने उत्तर प्रदेश के हर हिस्से

में साजिश के तहत मतदाता सूची से PDA समाज से जुड़े मतदाताओं विशेषकर मुस्लिम वोटरों के नाम को हटवाने का नापाक खेल चला रखा है।

हालांकि समाजवादी पार्टी के P D A प्रहरियों द्वारा गांव गांव, बूथ बूथ, शहर से देहात तक लगातार चुनाव आयोग को शिकायतें की जा रही है और साथ ही बूथ स्तर पर फर्जी तरीके से pda समाज के किसी वोटर का नाम कटवा देने के भाजपाई साजिश के खिलाफ मजबूत मोर्चेबंदी की जा रही है।

हर जिले से समाजवादी पार्टी के पीडीए प्रहरी लगातार ऐसे मामलों को उठा रहे हैं जिसमें फर्जी तरीके से फॉर्म 7 को किसी के नाम से भरकर वास्तविक मतदाताओं का नाम कटवाए जाने लिए चुनाव आयोग में फार्म दाखिल किया जा रहा है।

इस मामले को समाजवादी पार्टी निरंतर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी को प्रेषित कर रही है और साथ ही केंद्रीय चुनाव आयोग को भी लिखित शिकायतें भेजी जा रही हैं। इतना ही नहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव खुद लगातार ऐसे मामलों को अपने सोशल मीडिया हैंडल से चुनाव आयोग के नाम संज्ञान में ला रहे हैं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय से भी अपील की है कि वह इस साजिश का स्वत: संज्ञान ले।

इन सबके बाद भी चुनाव आयोग की नाक के नीचे फॉर्म 7 का बेजा इस्तेमाल किया जाना भारत में लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी है।

भाजपा चुनाव हारने के डर से PDA के वोट कटवा रही

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा 2027 का विधान सभा चुनाव हारने जा रही है। वह घबराई हुई है। इसीलिए समाजवादी पार्टी के समर्थकों व पीडीए का वोट कटवाने के लिए फर्जीवाड़ा कर रही है। भाजपा हम सभी को फार्म-7 के फर्जीवाड़े में उलझाना चाहती है जिससे हम लोग बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार समेत अन्य मुद्दों को न उठा पायें।

16 फरवरी को लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री अखिलेश यादव ने मतदाता सूची के एसआईआर में फार्म- 7 को लेकर हो रहे फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए कहा कि एस.आई.आर. में वोट काटने के लिए बड़े पैमाने पर खेल हो रहा है। शिकायतों पर चुनाव आयोग कोई कार्यवाही नहीं कर रहा है।

उन्होंने कहा कि डाटा बता रहा है कि पीडीए का वोट काटा जा रहा है। यह डकैती है। श्री यादव ने कहा कि भाजपा इसी तरह से सभी विधानसभा क्षेत्रों में फर्जी तरीके से वोट कटवा रही है। कन्नौज में भाजपा की एक सीक्रेट बैठक हुई थी जिसमें समाजवादी पार्टी का वोट कटवाने की रणनीति बनाई गई। बैठक में शामिल एक नेता ने खुद ही बाहर आकर इसका खुलासा कर दिया। कन्नौज में जिलाधिकारी से शिकायत की गयी लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। श्री यादव ने बताया कि बलिया में सिकन्दरपुर विधान सभा क्षेत्र में भाजपा के प्रभाव में बीएलओ ने 126 वोट कटवा दिया। हमारे विधायक रिजवी जी की पत्नी का वोट भी काट दिया गया। अयोध्या में वीरेन्द्र कुमार गौतम के 6 बच्चे बताकर वोट काट दिया।

श्री अखिलेश यादव ने कहा अज्ञात व्यक्ति के नाम पर जो फार्म-7 भरे जा रहे हैं, वे सब भाजपा के लोग हैं। जब समाजवादी पार्टी ने फार्म-7 भरने वालों को पकड़ना शुरू किया तब भाजपा के लोग अज्ञात नाम से फार्म

भरने लगे। श्री यादव ने कहा कि जब चुनाव आयोग ने एसआईआर शुरू किया था तब कहा था कि बीएलओ गांव-गांव जायेगें, सत्यापन करेंगे और गलत वोट हटाएगें।

उन्होंने कहा कि ड्राफ्ट रोल में फार्म-7 के जरिए बी.एल.ओ. द्वारा 49399 वोट हटाये गये, शायद इतने हटाये गये वोट भाजपा को जिताने के लिए पर्याप्त नहीं थे इसलिए हर व्यक्ति को फार्म-7 भरने की व्यवस्था कर दी गई। इसके बाद बी.एल.ओ. द्वारा हटाये गये वोटो से करीब 3 गुना ज्यादा फार्म-7 वोट कटवाने के लिए अज्ञात लोगों से भरवाये गये हैं। यह अज्ञात लोग कौन हैं। जब एस.आई.आर. की इतनी बड़ी एक्सरसाइज हुई है, तो फार्म-7 की क्या जरूरत है। साजिश के तहत फार्म-7 उन लोगों के नाम से भरा जा रहा है जो ठीक से पढना लिखना नहीं जानते हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि गांव-गांव में भाजपा से जुड़े सामंतवादी और प्रभुत्ववादी तत्व पीडीए का वोट कटवाने के लिए बल्क में फार्म-7 भरकर जमा करा रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने कई बार चुनाव आयोग से शिकायत की लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई, अगर एक भी जिलाधिकारी के खिलाफ ठोस कार्यवाही हो जाये तो पूरा एस.आई.आर और वोटर लिस्ट सही हो जायेगा।

श्री यादव ने कहा कि गांव के लोग जानते हैंकि उनके पास बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान में दिया गया एक वोट का अधिकार है लेकिन सामन्तवादी मानसिकता इसी अधिकार को छीनना चाहती है। उन्होंने कहा कि ऐसा तंत्र बनाया गया है, जहाँ एक वर्ग फार्म-7 के माध्यम से दूसरे वर्ग का वोट कटवाने की कार्यवाही कर रहा है।

मेरठ के एक वीडियो का जिक्र करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब फार्म-7 से भी काम नहीं चल रहा है, तो चुनाव आयोग प्रशासन और भाजपा के त्रिकोण ने लॉजिकल डिस्क्रिपन्सी नाम से पीडीए वोटरों को नोटिस भेजने का नया खेल निकाला है।

श्री यादव ने पार्टी के नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि विधायक मनोज पारस के क्षेत्र में 37 हजार और डॉ मुकेश वर्मा के क्षेत्र में 75 हजार लोगों को नोटिस जारी किया गया है।

अयोध्या के पूर्व विधायक और पूर्व मंत्री श्री पवन पाण्डेय ने बताया कि उनके यहां 96 हजार लोगों को नोटिसें जारी की गई हैं। फैजाबाद के एक बूथ के 181 मतदाताओं को नोटिस मिला है, उसमें 76 फीसदी पीडीए है। 76 फीसदी में भी 46 फीसदी से ज्यादा यादव और मुस्लिम मतदाता है। यह वह लोग है जो बहुत गरीब हैं, खेती-बारी और मजदूरी करते हैं। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सभी लोग चुनाव आयोग से शिकायतों पर कार्रवाई की उम्मीद करते हैं लेकिन अगर चुनाव आयोग कार्रवाई नहीं कर रहा है तो उसे अपने बिल्डिंग पर भाजपा का झंण्डा लगा लेना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के खिलाफ बड़े-बड़े मुद्दे हैं। अमेरिका के साथ डील हुई है। उससे कृषि और किसानों का बहुत बड़ा नुकसान होगा। सरकार ने पूरा बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। हमारा किसान कहां जायेगा। इसी तरह से सोने, चांदी की कीमतें बढ़ती जा रही हैं। महंगाई आसमान छू रही है। सरकार दावा करती है कि 50 लाख करोड़ का एमयोयू हुआ। लेकिन जमीन पर कितना निवेश उतरा? कितने लोगों को रोजगार मिला? भाजपा चाहती है, इन मुद्दों पर चर्चा न हो इसीलिए सभी विपक्षी पार्टियों और जनता को उलझाये रखना चाहती है।

फार्म 7 का घपला

नंदलाल को अखिलेश ने किया सम्मानित

बुलेटिन ब्यूरो

फार्म 7 के फर्जीवाड़े को सामने लाने वाले नंदलाल को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने लखनऊ में 8 फरवरी को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सम्मानित किया।

श्री अखिलेश यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में भाजपा के फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए नंदलाल के साहस की तारीफ की और उन्हें एक लाख रूपये देकर सम्मानित किया। सुल्तानपुर सदर विधान सभा क्षेत्र में भाजपा के लोगों ने नंदलाल के नाम से अन्य मतदाताओं का वोट कटवाने के लिए फार्म 7 पर फर्जी हस्ताक्षर कर फार्म जमा कराया था।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि हमें भाजपा का फर्जीवाड़ा पकड़ने में लेता और द्वापर नाम वाले दशरथ कुमार और नंदलाल से बहुत मदद मिली। प्रेस कांफ्रेंस में नंदलाल

को सामने लाए श्री अखिलेश यादव ने बताया कि नंदलाल हस्ताक्षर नहीं करते हैं। ये अंगूठा लगाते हैं। लेकिन भाजपा के लोगों ने वोट कटवाने के लिए इनके नाम का दुरूपयोग किया और इनका फर्जी हस्ताक्षर किया। भाजपा इसी तरह का फर्जीवाड़ा पूरे प्रदेश में कर रही है। उन्होंने बताया कि फर्जी हस्ताक्षर और फर्जीवाड़ा पर चुनाव आयोग का कानून है। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नंदलाल ने भाजपा के फर्जीवाड़े के खुलासे का साहस दिखाया। लोकतंत्र बचाने में मदद की। समाजवादी पार्टी नंदलाल को एक लाख रुपये देकर सम्मानित कर रही है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का नियम है कि अगर कोई व्यक्ति किसी का नाम मतदाता सूची से कटवाने के लिए झूठा प्रमाण देता है अथवा कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति को लेकर आवेदन प्रस्तुत करता है तो उसके खिलाफ धारा 31 और 32 के तहत मुकदमा दर्ज कराया जायेगा।

श्री यादव ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इस खुलासे के बाद भाजपा सरकार मतदाता सूची में फर्जीवाड़ा करने वाले भाजपा नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करायेगी।

श्री अखिलेश यादव ने पार्टी के सभी विधायकों से कहा कि उनके क्षेत्रों में जो फर्जीवाड़ा हो रहा है उसे सामने लाने के लिए अपने-अपने क्षेत्रों से एक-एक व्यक्ति लाएं। उन्होंने कहा कि आखिर भाजपा इमानदार क्यों नहीं है। इतनी बेईमानी क्यों करती है। भाजपा सरकार की हर करतूत और बेईमानी पकड़ी जा रही है।

उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ईमानदारी से

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नंदलाल ने भाजपा के फर्जीवाड़े के खुलासे का साहस दिखाया। लोकतंत्र बचाने में मदद की। समाजवादी पार्टी नंदलाल को एक लाख रुपये देकर सम्मानित कर रही है

काम क्यों नहीं कर रहा है। चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है कि सिस्टम को मजबूत करें। सिस्टम जितना मजबूत होगा लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। सिस्टम को कमजोर करने का मतलब है लोकतंत्र को खत्म करना।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बीएलओ की न ट्रेनिंग हुई। न उनकी कोई मदद हुई। कई बीएलओ की मौत हो गयी लेकिन सरकार ने उनकी कोई मदद नहीं की। बीएलओ पर गलत काम करने का दबाव डाला जा रहा है, प्रलोभन दिया जा रहा है।

उसके बावजूद भी बड़ी संख्या में बीएलओ लोकतंत्र बचाने के लिए काम कर रहे हैं। भाजपा के सामने नहीं झुक रहे हैं। इस समय बीएलओ के समय अपनी नौकरी बचाने की चुनौती है। क्योंकि अगर कोई भी गलत काम होगा तो अंततः उनके खिलाफ ही कार्रवाई होगी। बड़े अधिकारी तो बीएलओ पर जिम्मेदारी डाल कर बच जाएंगे।

यूपी में प्रहसन बना SIR

बुलेटिन ब्यूरो

चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (S I R) अभियान प्रहसन बन कर रह गया है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं लेकिन आयोग को कोई परवाह नहीं है। विपक्षी दलों, विशेष रूप से समाजवादी पार्टी, द्वारा SIR की निष्पक्षता पर लगातार प्रश्न उठाए जा रहे हैं लेकिन चुनाव आयोग अपनी ही चाल चल रहा है।

ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अगर संवैधानिक संस्था ही निष्पक्ष कार्य नहीं करेगी तो कौन उन पर भरोसा करेगा। सभी संवैधानिक संस्थाओं की जिम्मेदारी है कि कोई भेदभाव न होने दे।

मतदाता सूची को लेकर जिस तरह की खबरें आ रही हैं उससे चुनाव आयोग की बहुत बदनामी हो रही है। खास बात यह कि जब SIR शुरू हुआ था तब कहा गया था कि एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट शुद्ध और समावेशी होगी, किसी पात्र मतदाता का नाम नहीं कटेगा।

हकीक़त में इस एसआईआर के माध्यम से भाजपा सरकार साजिश, षड्यंत्र और विपक्ष को कमजोर करने की तैयारी चल रही है।

ऐसा लगता है कि एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की कोई तैयारी नहीं थी। चुनाव आयोग ने पहले कहा था कि मैपिंग हो चुके मतदाताओं को कोई नोटिस नहीं दी जाएगी लेकिन अब मैपिंग में त्रुटि के नाम पर करीब 2.5 करोड़ मतदाताओं को नोटिस दी गई है।

इसमें भी नोटिस सुनवाई की जानकारी राजनीतिक दलों और बूथ लेवल एजेंटों को नहीं दी जा रही है। सुनवाई कब होगी कैसे होगी इसकी भी जानकारी बीएलए को नहीं दी जा रही है।

दरअसल बीएलओ सरकारी कर्मचारी हैं। इसलिए सरकार उन पर दबाव बनाती है। नोटिस पर सुनवाई के समय वे मौजूद रहेंगे। लेकिन पार्टियों के बीएलए नहीं मौजूद रहेंगे। जबकि आयोग ने पहले कहा था कि बीएलओ और बीएलए मिलकर काम करेंगे। लेकिन अब बीएलए को नहीं बुलाया जा रहा है। सुनवाई की जानकारी मतदाताओं को भी नहीं दी जा रही है। ऐसे आरोप लग रहे हैं कि सुनवाई के नाम पर बड़े पैमाने पर मैनुपलेशन किया जा रहा है। सुनवाई में भाजपा के मानसिकता वाले अधिकारी लगाये गये हैं जो वोटों में हेराफेरी करते हैं।

आशंकाओं के कारण ही ऐसे आरोप लगे थे कि यह एसआईआर नहीं एनआरसी है। सोचने वाली बात है कि नोबल पुरस्कार से सम्मानित अमर्त्य सेन को भी अपनी नागरिकता बतानी पड़ रही है। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के परिवार वालों को अपना प्रूफ दिखाना पड़ रहा है।

सपा के विधायक चुनाव आयोग पहुंचे
सप्रमाण की शिकायत

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश, को ज्ञापन देकर मांग की है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में सत्तारूढ़ दल द्वारा फार्म 7 का मनमाना इस्तेमाल किये जाने के खिलाफ सप्रमाण शिकायतें की।

प्रतिनिधिमंडल ने पूरे यूपी में फार्म 7 के बेजा इस्तेमाल के दर्जनों मामले आयोग को सौंपे। इन शिकायतों में एक मुद्दा बीएलओ के साथ की गई बदतमीजी भी है। जिसमें कहा गया है कि कैसे मुस्लिम मतदाताओं के नाम काटने के लिए दबाव बनाया गया और जबरन फार्म-7 की रिसीविंग भाजपा द्वारा ले ली गई और कहा गया कि इन मतदाताओं के नाम काटने की रिपोर्ट लगाओ। बीएलओ ने जिलाधिकारी से भाजपा नेताओं के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

विधायकों ने एक शिकायत अयोध्या विधानसभा के 419 पोलिंग बूथों के बारे में भी है। जिसमें 95 हजार मतदाताओं को नोटिस जारी की गई है, जिसमें अधिकतर समाजवादी पार्टी समर्थक पीडीए मतदाताओं के नाम शामिल हैं। एक पोलिंग बूथ पर 181 मतदाताओं को नोटिस जारी की गई है। नोटिस में 76 प्रतिशत पीडीए मतदाता हैं।

इसी तरह जनपद प्रतापगढ़ के बाबागंज विधानसभा में रामदेव सिंह के फर्जी हस्ताक्षर से फार्म-7 भरकर समाजवादी पार्टी समर्थक पीडीए मतदाताओं के 65 नाम काटने के लिए फार्म-7 जमा किये गये हैं। सकलडीहा विधानसभा में पोलिंग बूथ

संख्या 160 पर 16 फार्म-7 पर आवेदक के रूप में गोविन्द राय का फर्जी हस्ताक्षर बनाकर मुस्लिम मतदाताओं का नाम काटने के लिए फार्म-7 जमा किये गये हैं।

इतना ही नहीं प्रत्येक पोलिंग बूथ पर फार्म-7 थोक में जमा किये जा रहे हैं। लाखों फार्म जमा हो गये हैं। इन सभी फार्म-7 में पीडीए मतदाता व मुस्लिम मतदाताओं के नाम प्रिंट हैं।

फार्म-7 एक ही डिजाइन में प्रिंट हैं। मतदाता का नाम व ईपिक नम्बर, व विधानसभा का नाम प्रिंट है, और अनुपस्थित/शिफ्टेड में टिक का निशान लगा है।

समाजवादी पार्टी द्वारा प्रतिदिन लिखित शिकायत व ज्ञापन मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश को दिया जा रहा है, तथा मुख्य चुनाव आयुक्त नई दिल्ली को मेल भी किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग शिकायत व ज्ञापन पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं कर रहा हैं।

अलबत्ता चुनाव आयोग व प्रशासन और भाजपा के त्रिकोण ने लॉजिकल एरर नाम से पीडीए मतदाताओं को नोटिस भेजने का नया खेल निकाला है।

अज्ञात व्यक्ति के नाम पर जो फार्म-7 भरे जा रहे हैं, वो सभी भाजपा के लोगों द्वारा जमा किये जा रहे हैं। विधायकों ने चुनाव आयोग से कहा कि अज्ञात लोगों की पहचान की जाये।

SIR शुरू होने के समय कहा गया था कि बीएलओ घर-घर जायेंगे सत्यापन करेंगे और गलत वोट हटायेंगे। बीएलओ द्वारा बड़ी संख्या में वोट हटाये गये अब भाजपा समाजवादी पार्टी समर्थक मतदाताओं का वोट हटाने की साजिश कर रही है।

समाजवादी पार्टी की प्रमुख मांग-

फार्म 7 से नाम हटाने की प्रक्रिया केवल सरकारी बीएलओ द्वारा शुरू की जाए। किस विधानसभा, किस बूथ पर, किसके नाम से फार्म-7 जमा हुआ, इसका डेटा प्रतिदिन सार्वजनिक किया जाए। किसने और किस आधार पर आवेदन किया-उसकी जानकारी भी सार्वजनिक की जाए।

इसी तरह लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के नाम पर किसी को परेशान न किया जाए। इसी तरह यदि कोई व्यक्ति मतदाता सूची से नाम काटने के लिए मिथ्या (फॉल्स) लिखित कथन करता है, अथवा कोई व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति की ओर से ऐसे आवेदन प्रस्तुत करता है तो उसके विरूद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा-31 के अधीन एफआईआर दर्ज कराई जायेगी।

विधायकों के प्रतिनिधिमण्डल ने यह शिकायत भी की कि सभी जिलों में भाजपा द्वारा जिलाधिकारी पर दबाव बना कर समाजवादी पार्टी समर्थक वैध मतदाताओं का नाम अवैध ढंग से काटने के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। यह गम्भीर मामला है। भारत निर्वाचन आयोग मूक दर्शक की भूमिका से ऊपर उठ कर

समाजवादी पार्टी द्वारा लगातार की जा रही शिकायतों को संज्ञान में लेकर भाजपा द्वारा किये जा रहे फर्जीवाड़े व फार्म-7 जमा करने वालों के नाम चिन्हित कर के उनके विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई जाये, जिससे SIR प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष सम्पन्न हो सके।

इस अवसर पर सर्वश्री कमाल अख्तर विधायक, प्रभुनारायण सिंह यादव विधायक, डॉ आरके वर्मा विधायक, मनोज पारस विधायक, शहजिल इस्लाम विधायक, महेन्द्र नाथ यादव विधायक, डॉ संग्राम सिंह यादव विधायक, मोहम्मद फहीम इरफान विधायक, रविदास मेहरोत्रा विधायक, सचिन यादव विधायक, पंकज मलिक विधायक, नवाब जान एवं राम अधार राजभर ने ज्ञापन सौंपते हुए त्वरित कार्रवाई की मांग की है। इस अवसर पर सर्वश्री के.के. श्रीवास्तव, डॉ. हरिश्चन्द्र सिंह और श्री राधेश्याम सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने समाजवादी पार्टी के विधायकों के प्रतिनिधिमण्डल से कहा कि किसी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं काटा जायेगा। उन्होंने कहा कि फार्म 7 पर बीएलओ घर-घर जाकर सत्यापन करेंगे। मतदाता को और आवेदक को नोटिस रिसीव कराई जायेगी। एक सप्ताह इंतजार के बाद ही निर्णय लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि लॉजिकल एरर के मतदाताओं को सुनवाई स्थल पर नहीं जाना होगा। बीएलओ नोटिस लेकर जायेगा। मतदाता या उसके परिवार के किसी सदस्य के साथ सेल्फी लेकर 2003 की मतदाता सूची से मिलान करके अपडेट कर देगा। उन्होंने सुनवाई स्थल दूर होने पर कहा कि सुनवाई अधिकारियों की संख्या बढ़ा दी गयी है और मतदाताओं की सुविधा के लिए निकटतम दूरी पर सुनवाई स्थल बनाये जायेंगे। उन्होंने फार्म-7 थोक में लिये जाने पर जांच कराने और दोषी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा।

विरोधी पक्ष के वोटरों की छंटनी का हथियार है फार्म 7

अरविन्द मोहन
लेखक, वरिष्ठ पत्रकार

विशेष मतदाता पुनरीक्षण अभियान के तहत सरकार के इशारे पर चुनाव आयोग जो कुछ करा रहा है वह पर्याप्त विवादास्पद और चर्चित हो चुका है। राजनैतिक दलों तथा नागरिक समाज ही नहीं अदालती दखल से इसके स्वरूप में काफी बदलाव आ गया है लेकिन जैसे-जैसे यह आगे बढ़ रहा है, यह ज्यादा साफ होता गया है कि यह अभियान समाज के एक खास हिस्से के मताधिकार को खत्म करने का ही है।

जब बिहार विधान सभा चुनाव से ठीक पहले यह अभियान शुरू हुआ तो बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम काटने जैसे बहाने बनाए गए लेकिन अब तो फार्म 7 के नाम पर सीधे सीधे मनमानी हो रही है और लाखों ऐसे नामों को काटने का अभियान शुरू हुआ है जिनके भाजपा विरोधी होने का भरोसा है। इस काम के लिए पुनरीक्षण की अवधि को बार बार बढ़ाया जा रहा है।

बिहार में भी लगभग पचास लाख नाम हटाए गए थे और इसमें भी मुसलमान मतदाताओं का प्रतिशत बीस से अधिक था। हम जानते हैं कि बिहार में मुसलमानों की आबादी तकरीबन 16/17 फीसदी है। अर्थात तब भी मुसलमानों के मताधिकार अनुपात से ज्यादा समाप्त किए गए। अभी वहां की शिकायतें खत्म नहीं हुई थीं कि चुनाव ने काफी कुछ भुला दिया। सुप्रीम कोर्ट ने भी आधार जैसे दस्तावेजों को मान्य करके तनाव कम कराया था।

उसके बाद जब बारह राज्यों में अभियान शुरू हुआ तो शुरू में पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश ही ज्यादा चर्चा में आये। बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के सक्रिय होकर निगरानी करने से काफी गलतियां पकड़ में आईं। चौंकाने वाला आंकड़ा उत्तर प्रदेश से सामने आने लगा जब मतदाताओं की संख्या करोड़ों में कम होने का अनुमान हुआ।

पहला हंगामा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ही किया कि हमारे मतदाता कम हो गए हैं। उन्होंने और प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष पंकज चौधरी ने अभियान चलाकर नाम बढ़वाने का प्रयास किया और SIR को चार एक्सटेंशन के जरिये इस अभियान को आगे बढ़ाने का प्रयास हुआ।

गलतियां सुधारने का एक तरीका फार्म 7 के जरिये आवेदन का है। यह योजना का हिस्सा था या संयोग से हाथ आया हथियार, भाजपा ने उत्तर प्रदेश समेत हर राज्य में इस हथियार का प्रयोग करके भाजपा विरोधी मतदाताओं के नाम पर आपत्ति करके उनको कानूनी रूप से उलझाने का अभियान छेड़ दिया है।

गलत नाम कटने, व्यक्ति के इस दुनिया में न रहने, उम्र या नाम वगैरह की गलती होने या उसके दूसरी जगह जाने की सूचना कोई अन्य मतदाता कर सकता है, इस प्रावधान का राजनैतिक लाभ लेने का अभियान भाजपा का नया है। अब बांग्लादेशी घुसपैठ जैसे बहाने की जरूरत भी नहीं रह गई है। जितनी आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं उनको कानून के हिसाब से अपना पक्ष रखना है। ऐसे में इस प्रक्रिया में बहुत वक्त लगेगा या लंबा समय लगाने के बाद भी सारे मामले निपट जाएंगे यह कहना मुश्किल है।

फार्म 7 के ज़रिए बड़े पैमाने पर नाम कटवाने के लिए आवेदन डाले जाने पर समाजवादी पार्टी का कहना है कि ये ज्यादातर नाम पीडीए समाज के हैं। शिकायत वालों को पहले सूचित नहीं किया गया और फार्म भी अलग अलग जांचने की जगह सामूहिक रूप से देखे और दाखिल किए गए। चुनाव आयोग का मानना है कि ऐसा नहीं है और अगर किसी का नाम गलती से कट गया है तो फार्म 8 के जरिए उसे दोबारा जोड़ा जा सकता है। आयोग का यह भी कहना है कि बार बार समय सीमा बढ़ाना किसी षडयंत्र की जगह एक जरूरत है क्योंकि बड़ी संख्या में शिकायतें आई हैं। उधर जिन लोगों को आयोग का बुलावा मिला है उनकी शिकायत यह है कि वे बाहर कमाने के लिए निकले हैं। वापस आने जाने में समय और धन की जो बर्बादी होगी उसकी भरपाई नहीं हो सकती। वहीं जब गुजरात में अलग तस्वीर दिखी तब इस फार्म 7 के राजनैतिक खेल को दुनिया ने साफ देख लिया। हुआ यह कि सामान्य पुनरीक्षण में गुजरात में 74 लाख नाम कटे। फिर समय सीमा बढ़ी और आपत्तियां मांगी गई।

समय सीमा 18 जनवरी तक बढ़ाई गई थी लेकिन 15 जनवरी तक बहुत ही कम फार्म ये। अचानक उसके बाद तेजी आई और 22 जनवरी को चुनाव आयोग ने घोषणा की कि कुल 12,59,229 फार्म आये हैं। यह हैरान करने वाला आंकड़ा था और बिना किसी बड़े दल के अभियान के संभव न था। कांग्रेस का आरोप है कि बड़ी संख्या में उसके लोगों के खिलाफ फार्म दाखिल हुए हैं।

जिन बारह राज्यों में गहन पुनरीक्षण का काम अक्टूबर 2025 में शुरू हुआ उन सभी में इसे पूरा करने की आखिरी तारीख कई बार बढाई जा चुकी है। शुरू में लगा कि काम के दबाव से ऐसा हो रहा है और कई मामलों में तो सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद ऐसा फैसला हुआ। लेकिन अब विपक्ष भी आरोप लगा रहा है कि यह विस्तार भाजपा के हाथ आये फार्म 7 वाले नए हथियार के चलते हुआ है और भाजपा इसे सबसे उपयोगी पाकर आगे और भी प्रयोग करेगी। हालत यह हो गई है कि जब पुनरीक्षण का काम समाप्त होना चाहिए तब काम इतना बढ़ गया है कि कई राज्यों के मुख्य आयुक्तों ने हाथ खड़े कर दिए हैं। इस मामले में अकेले बंगाल पर समय सीमा न बढ़ाने का दबाव आता रहा है। दरअसल संघ परिवार की सोच मुसलमानों और अल्पसंख्यकों को दोयम दर्जे का नागरिक मानने की रही है। सत्ता में आने के साथ उसने संविधान बदलने की बात तो की लेकिन ऐसा कर पाना संभव नहीं हुआ। मौजूदा संविधान के रहते ऐसा अन्याय करना संभव भी नहीं है। फिर उसने नागरिकता रजिस्टर बनाकर मतदाता और नागरिक का भेद करना चाहा। संयोग से असम वाले इस प्रयोग की देखरेख भी सुप्रीम कोर्ट ने खुद ले ली और वहां जिन लोगों के नाम नागरिकता रजिस्टर में नहीं आ पाए उनमें ज्यादातर हिन्दू थे।

ऐसा गरीबों के लिए दस्तावेज संभालने में मुश्किल और उनके गुम होने के चलते हुआ। फिर भाजपा सरकार ने पड़ोसी देशों से धार्मिक प्रताड़ना के चलते भागकर आने वाले अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के कानून के माध्यम से खेल करना चाहा पर वह भी खास न चला। भाजपा को फार्म 7 के रूप में मतदाता सूची का गहन धारदार हथियार नजर आ गया है। भाजपा इसे आसानी से नहीं छोड़ेगी। विपक्ष क्या करे से ज्यादा जरूरी सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग को ऐसा करने देना चाहिए?

देश को बर्बाद कर देगी स्वदेशी का नारा लगाने वालों की 'डील'

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि अमेरिका के साथ भारत सरकार ने जो ट्रेड डील किया है वह डील नहीं बल्कि ढील है। ये 'डील' वह 'डाल' है, जिसको उस पर बैठने वाला ही काट रहा है। ये डील हमारे देश की सिर्फ़ ख़ेती-मज़दूरी ही नहीं बल्कि हर तरह के पैदावार-उत्पादन, काम-कारोबार और रोज़गार के ख़िलाफ़ है।

श्री यादव ने कहा कि जिन्होंने पहले हमारे लोगों को साक्षात ज़ंजीर में बांधकर भेजा था, उन्होंने अब डील का जाल फेंककर भाजपा सरकार को मजबूर कर दिया है। अब भाजपा के वे संगी-साथी कहां भूमिगत हो गए हैं जो स्वदेशी का नारा लगाते थे। आत्मनिर्भरता की जगह भाजपाइयों को 'परनिर्भरता' का नारा अपना लेना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश का बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। इससे खेती किसानी और किसानों का बड़े पैमाने पर नुकसान होगा। जब सब कुछ विदेश से आएगा तो हमारे देश का किसान क्या उगाएगा और क्या बेचेगा? उन्होंने कहा कि किसानों को नुकसान पहुंचाकर देश में कोई सरकार नहीं चल सकती है। किसान और किसानी विरोधी भाजपा सरकार स्पष्ट करे कि विदेशियों के सामने अपने हितों का समर्पण करने की मजबूरी क्या है?

उन्होंने कहा कि भाजपा कभी भूमि अधिग्रहण लाकर खेती-किसानी को हड़पने का षडयंत्र करती है, कभी काले-क़ानूनों से किसानों को मौत के मुंह में ढकेल देती है। भाजपाई सोच बिचौलियों वाली है, वे पैदावार-उत्पादन की जगह बीच में कमीशनख़ोरी से सिर्फ़ अपना पेट भरना जानती है। 'खेती-किसानी' के बीच ही नहीं, 'किसानों' के बीच भी बैठे भाजपाई बिचौलियों का भंडाफोड़ होना चाहिए।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस देश में कोई भी डील जो 70 फीसदी कृषि आधारित जनता के लिए हानिकारक है, वह कभी लाभकारी साबित नहीं हो सकती है। कृषि और डेयरी को बचाने का जो असत्य सदन के पटल पर बोला जा रहा है, उसका संज्ञान भविष्य में लिया जाएगा और झूठा साबित होने पर कार्रवाई की मांग भी की जाएगी।

डील के खिलाफ सपा का प्रदर्शन

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के सांसदों ने बजट सत्र के दौरान संसद भवन परिसर में अमेरिका के साथ हो रहे व्यापारिक डील के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी के सभी सांसदों ने एकजुट होकर बैनर-पोस्टर लेकर प्रदर्शन किया और अमेरिका के साथ हो रही डील का विरोध किया। केन्द्र सरकार के विरोध में नारे लगाये। समाजवादी पार्टी के सांसदों ने कहा कि यूएस डील अत्याचारी है। किसानों पर संकट भारी है।

प्रदर्शन के दौरान सांसदों ने कहा कि जब सब कुछ विदेश से आएगा तो हमारे किसान की उपज का क्या होगा? क्या हमारा किसान अपनी फसल की सही कीमत पाएगा? भाजपा हमेशा किसानों के खिलाफ रहती है। भाजपा सरकार ने पहले तीन काले कानून लाकर किसानों को परेशान किया। अब देश का पूरा बाजार विदेशियों के हाथों में सौंप दिया।

इससे धीरे-धीरे हमारे किसानों की खेतीबाड़ी और आय कम हो जाएगी और वो मजबूर होकर अपनी ज़मीन अमीरों व कारपोरेट को बेचने पर मजबूर हो जाएंगे। ज़मीनों पर क़ब्ज़ा करना ही भाजपाई और उनके संगी-साथियों का आख़िरी मकसद है।

उन्होंने कहा कि ये समझौता नहीं, समर्पण है।

दिल्ली में संसद सत्र के दौरान मीडिया से बातचीत में अमेरिका से ट्रेड डील को लेकर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस डील में जो फैसले हुए है उसके बारे में देश जानना चाहता है। इससे हमारा किसान बर्बाद हो जायेगा। देश की अर्थव्यवस्था दूसरों के हाथ में जा रही है। पूरा बाजार दूसरे देशों को दे दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा किसानों को बर्बाद कर रही है। यह डील हमारी खेती और किसानों पर हमला है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ये भाजपाई खेती-किसानी को बर्बाद करने के लिए सब कुछ करेंगे क्योंकि ये वो लोग हैं जो ज़मीन के उत्खनन से लेकर खनन व उसकी पैदावार, सब पर गिद्ध निगाह रखते हैं और साल-दर-साल किसी न किसी रूप में किसानों पर वार करते हैं। भाजपा किसान विरोधी थी, है और रहेगी।

उन्होंने कहा कि किसानों को नुक़सान पहुँचाकर, हमारे देश में कोई भी सरकार नहीं चल सकती है। किसान और किसानी विरोधी भाजपा सरकार स्पष्ट करे कि विदेशियों के सामने अपने हितों का समर्पण करने की मजबूरी क्या है।

भाजपा कभी भूमि अधिग्रहण लाकर खेती-किसानी को हड़पने का षड्यंत्र करती है, कभी काले-क़ानूनों से किसानों को मौत के मुँह में ढकेल देती है। भाजपाई सोच बिचौलियों वाली है, वो पैदावार-उत्पादन की जगह बीच में कमीशनख़ोरी से सिर्फ़ अपना पेट भरना जानती है।

संसद में सपा ने मणिकर्णिका और ट्रेड डील पर सरकार को घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के सांसदों ने काशी में मणिकर्णिका घाट तोड़े जाने के विरोध में संसद भवन परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। विपक्षी दलों के सांसदों ने भी इस विरोध प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी का समर्थन किया।

सपा सांसदों ने संसद के बजट सत्र में जनहित के मुद्दों पर बेबाकी से अपनी राय रखी और यूपी की भाजपा सरकार के अन्याय, अत्याचार को रेखांकित किया। उन्होंने अमेरिका के साथ हुए ट्रेड डील के खिलाफ भी आवाज बुलंद की।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी सांसद जनहित के मुद्दों को लेकर पूरी तैयारी के साथ बजट सत्र में शामिल हुए। उन्होंने सिलसिलेवार क्षेत्र के मुद्दों को उठाया।

बजट में यूपी को कोई खास तवज्जो न देने पर सरकार की आलोचना की। बजट सत्र के दौरान श्री अखिलेश यादव ने विभिन्न मुद्दों पर भाजपा सरकार को घेरा। तीखी

आलोचना की।

काशी का मणिकर्णिका घाट तोड़े जाने से नाराज समाजवादी पार्टी के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार पर जोरदार प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन में सांसद प्रो राम गोपाल यादव, धर्मेंद्र यादव आदि भी रानी अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर लेकर शामिल हुए। सांसदों ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। सासंदों ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि काशी की परंपरा और पहचान खत्म करने की साजिश हो रही है।

इस अवसर पर प्रो राम गोपाल यादव ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर की मूर्ति तोड़ी जाना काशी की सांस्कृतिक विरासत पर हमला है। उन्होंने कहा कि यह इतिहास और आस्था से खिलवाड़ है। बिना किसी योजना के मणिकर्णिका घाट पर तोड़फोड़ की गई। वाराणसी की अपनी एक प्राचीन संस्कृति है। वहां विध्वंस किया जा रहा है।

प्रो यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री खुद वाराणसी से सांसद हैं। इसके बावजूद काशी की सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। यह वाकई चिंताजनक है।

सपा ने जनहित के मुद्दों पर विधानसभा में सरकार को घेरा

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी के विधायकों ने किसानों की बदहाली, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और जनहित के तमाम मुद्दों पर जोरदार प्रदर्शन किया। विधानपरिषद में भी सपा विधायकों ने इन मुद्दों पर भाजपा सरकार को जमकर घेरा।

विधानसभा में समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पाण्डेय के नेतृत्व में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, कानून-व्यवस्था एसआईआर को लेकर भाजपा सरकार को जमकर घेरा।

वाराणसी में प्राचीन व ऐतिहासिक धरोहर मणिकर्णिका घाट को तोड़े जाने को लेकर सपा विधायकों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए और तीखी आलोचना की।

बजट सत्र शुरू होने से पहले ही समाजवादी पार्टी के विधायक बैनर, पोस्टर व हाथों में तख्तियां लेकर विधान भवन के समक्ष पहुंचे और उन्होंने चौधरी चरण सिंह प्रतिमा के समक्ष प्रदर्शन किया। राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान भी सपा विधायक जनहित के मुद्दों पर सरकार का ध्यान आकर्षित कराते रहे।

सपा विधायक, लाल टोपी पहनकर विधान भवन पहुंचे। विधायकों ने ऐलान किया कि जनता के मुद्दों को लेकर समाजवादी पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी। सत्ता परिवर्तन तक लड़ाई जारी रहेगी।

सपा सदस्यों ने ब्राह्मण समाज से जुड़े मुद्दे, यूजीसी, अस्पतालों में दवाएं न होने, मेडिकल कॉलेजों की बदतर स्थिति पर नाराजगी जताई। सपा एमएलसी आशुतोष सिन्हा वाराणसी में मंदिरों को तोड़े जाने का मुद्दा उठाते हुए साइकिल पर अहिल्याबाई की तस्वीर लेकर विधानसभा पहुंचे।

उन्होंने कहा कि वाराणसी में जिस तरह से मंदिरों को तोड़ा जा रहा है, यह अनुचित और अपमानजनक है। वाराणसी के मणिकर्णिका घाट को तोड़े जाने के विरोध स्वरूप विधायक सचिन यादव रानी अहिल्याबाई होल्कर का पोस्टर लेकर पहुंचे और सरकार पर आरोप लगाया कि भाजपा

2027 में सत्ता से जाएगी भाजपा सरकार

- राजेन्द्र चौधरी

उत्तर प्रदेश विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा में भाग लेते हुए समाजवादी पार्टी के सदस्य राजेन्द्र चौधरी ने भाजपा सरकार को हर मोर्चे पर घेरा।

उन्होंने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्यपाल का अभिभाषण सच से परे है। सचाई यह है कि सरकार का आचरण लोकतंत्र और जनविरोधी है। सरकार का व्यवहार और भाषा संविधान सम्मत नहीं है। सरकार, अहंकार में डूबी है। इस सरकार में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार बहुत बढ़ गया है। महिलाएं, बेटियां असुरक्षित हैं। कानून-व्यवस्था चौपट है। अपराधी सरेआम घटनाएं कर रहे हैं।

राजेन्द्र चौधरी ने कहा कि यह सरकार अलोकतांत्रिक और विकास विरोधी है। इसमें विकास का कोई काम नहीं हो रहा है। उत्तर प्रदेश में 2012 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने विकास की शुरुआत की थी।

देश में पहली बार विश्वस्तरीय आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे बनाया। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे देश का पहला एक्सप्रेस वे था जिस पर हवाई पट्टी बनाई गई, उस पर लड़ाकू विमान उतारे गए। समाजवादी पार्टी की सरकार में अखिलेश यादव ने किसानों, नौजवानों सभी वर्गों के लिए काम किया।

यमुना एक्सप्रेस वे में किसानों की अधिग्रहित जमीनों का मुआवजा नहीं मिला था। यमुना एक्सप्रेस वे में किसानों के मुआवजे के लिए अखिलेश यादव ने एक कमेटी का गठन किया। मुझे कमेटी का चेयरमैन बनाया। हमने किसानों को देश में सबसे अधिक 64.7 फीसदी की दर से अतिरिक्त मुआवजा दिलाया। किसानों को दो हजार करोड़ रुपए मुआवजा मिला।

उन्होंने कहा कि इस सरकार में किसान से लेकर व्यापारी तक सब परेशान हैं, उनकी जमीन का सही मुआवजा नहीं मिल रहा है। किसानों के साथ धोखा हो रहा है। इस सरकार ने अखिलेश यादव की सरकार में किए गए कार्यों को अपना बताते हुए नाम बदलने के अलावा कुछ नहीं किया। लखनऊ कैंसर संस्थान को श्री अखिलेश यादव ने बनाया, भाजपा ने उसका नाम बदलकर अपना रख लिया।

उन्होंने कहा कि सरकार बुलडोजर से लोगों को डराना चाहती है लेकिन याद रहे जब जनता खड़ी हो जाती है तो वह डरती नहीं है। भाजपा सरकार की बुलडोजर कार्रवाई को असंवैधानिक बताते हुए श्री चौधरी ने कहा कि मैं आपातकाल में जेल गया था। आपातकाल में भी एक सरकार ने बुलडोजर का प्रयोग किया था उसे 1977 में जाना पड़ा था, भाजपा सरकार भी 2027 में हमेशा के लिए चली जाएगी।

ने रानी अहिल्याबाई होल्कर का अपमान किया है। सपा सदस्य कमाल अख्तर, अतुल प्रधान और संग्राम यादव ने सरकार को जनविरोधी बताया। सपा विधायकों ने स्पष्ट तौर पर कहा कि भाजपा सरकार पीडीए के अधिकारों के साथ खिलवाड़ कर रही है।

भाजपा सरकार की नीतियों को लेकर बजट सत्र के दौरान समाजवादी पार्टी विधायक मुखर रहे और उन्होंने एसआईआर के मुद्दे पर भी लोगों को परेशान किए जाने को लेकर भाजपा की तीखी आलोचना की।

विधानसभा में विधायक अतुल प्रधान ने नियम 300 के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का मुद्दा उठाया। अतुल प्रधान ने कहा कि एआई खतरनाक तकनीक है। उसका गलत इस्तेमाल भी किया जा सकता है।

विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की नीतियों और प्रदेश में बढ़ते कुपोषण व एनीमिया के मामलों को लेकर सरकार को घेरा। डॉ. सोनकर ने बताया कि प्रदेश में 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे, गर्भवती महिलाएं और किशोरियां अभी भी कुपोषण और एनीमिया से पीड़ित हैं।

उन्होंने सरकार के रवैये पर सवाल उठाते हुए कहा कि सत्ता पक्ष मातृशक्ति के लिए अपमानजनक शब्दों का प्रयोग करता है जबकि समाजवादी पार्टी महिलाओं के सम्मान के लिए लड़ती है। डॉ. रागिनी ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के मुद्दे को उठाते हुए मांग की कि उन्हें ₹30,000 प्रति माह मानदेय दिया जाए, स्थायी किया जाए और उन्हें रिटायरमेंट प्लान व स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया जाना चाहिए।

बजट

अखिलेश ने केंद्र और यूपी का कच्चा चिट्ठा खोल दिया

केंद्र सरकार द्वारा संसद के बजट सत्र में पेश किए गए आम बजट एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा में पेश किए गए राज्य के बजट पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने दोनों सरकारों को जमकर घेरा है। लोकसभा में आम बजट पर बोलते हुए उन्होंने सरकार को खरी खरी सुनाई और बजट के जरिए केंद्र सरकार द्वारा किए जा रहे फील गुड के दावे की पोल खोल दी। वहीं उत्तर प्रदेश के बजट का भी आंकड़ों के जरिए कच्चा चिट्ठा खोल दिया। प्रस्तुत है बुलेटिन ब्यूरो की विस्तृत रिपोर्ट:

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा में बजट चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि सरकार का बजट दिशाहीन है। बजट में देश को 2047 में विकसित बनाने के लिए कोई विजन नहीं है। बजट से किसी को कोई उम्मीद नहीं है।

उन्होंने कहा कि बजट में पीडीए पिछड़ा, दलित, महिला, अल्पसंख्यकों के लिए कुछ नहीं है, लगता है इस सरकार ने इनके बारे में सोचना ही छोड़ दिया है। बजट में आम जनता की न जिक्र है और न फिक्र है। बजट

में गरीबों, किसानों के विकास के लिए कुछ नहीं है। मंहगाई बेतहाशा बढ़ रही है लेकिन टैक्स में छूट नहीं मिली। मध्यम वर्ग ठगा महसूस कर रहा है। भाजपा का बजट 1/20 लोगों अर्थात सिर्फ 5 फीसदी लोगों के लिए है। जीडीपी की ग्रोथ सिर्फ 7 फीसदी है। नॉमिनल ग्रोथ सिर्फ 8 फीसदी है। जिसके कारण लोगों के हाथ में पैसा नहीं है।

इसका कारण है निजी निवेश नहीं आ रहा है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में दुनिया की रैंकिंग में भारत का स्थान 144 वें नम्बर पर है। यह सरकार 11 सालों से बजट ला रही है लेकिन प्रति व्यक्ति आय नहीं बढ़ पायी। सरकार को बताना चाहिए की जिन्हें राशन मिल रहा है उनकी प्रति व्यक्ति आय क्या है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि बजट में पिछड़ेपन को दूर करने के लिए कोई विजन नहीं दिखता है। जब बजट आता है तो हम लोग अपने प्रदेश के लिए ढूंढ़ते हैं कि क्या मिला। बजट में यूपी के लिए कोई खास योजना नहीं मिली। प्रधानमंत्री जी यूपी से आते हैं लेकिन आज तक केन्द्र सरकार से कोई एक्सप्रेस-वे नहीं मिला है। यूपी में जो एक्सप्रेस-वे बन रहे है वह विकसित भारत की क्वालिटी के नहीं है। भाजपा सरकार में बनाये जा रहे सड़कों और एक्सप्रेस-वे में भारी भ्रष्टाचार है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार को बताना चाहिए कि बजट का हलवा यहां बंटा कि अमेरिका में बंटा? क्या सरकार ने अपने शब्दकोश से स्वदेशी और आत्मनिर्भरता शब्द हटा दियाहै? उन्होंने कहा कि इस डील से सरकार ने अपना बाजार विदेशियों को सौंप दिया है। उन्होंने कहा कि देश के किसानों और दुकानों को बचाने के लिए सरकार के पास खोखले शब्दों के अलावा कुछ नहीं है। इस सरकार ने किसान की आय दुगुनी करने की बात कहीं थी। आज हमारा किसान उदारीकरण में कहां खड़ा है। जब सब कुछ विदेश से आयेगा तो हमारा किसान क्या उगायेगा और कैसे बेचेगा? किसान जब तीन काले कानून के खिलाफ लड़ रहे थे।

तब बड़ी संख्या में किसानों की जान गयी, तब सरकार पीछे हटी थी। लेकिन किसानों को अभी तक एमएसपी की कानूनी गांरटी नहीं मिली। सरकार बताए कि किसानों को फसलों और दूध की एमएसपी की गांरटी कब मिलेगी।

श्री यादव ने कहा कि इस सरकार में किसान को फसल की सही कीमत नहीं मिल रही है लेकिन सोने की कीमत कहां से कहां पहुंच गई। भाजपा सरकार किसानों को नहीं कुछ अदृश्य लोगों को लाभ पहुंचाना चाहती है। समाजवादी सरकार में हमने किसानों को सिंचाई मुफ्त की थी आज किसानों के लिए खाद, बीज कीटनाशक सब महंगा है। मंडियों को अपने हाल पर छोड़ दिया गया है। फसलों की खरीद नहीं हो रही है।

उन्होंने कहा कि बजट में अमीरों को घूमने फिरने की छूट है, लेकिन बेरोजगारी से जूझ रहे युवाओं के लिए कुछ नहीं है। मंहगाई से लड़ रही जनता की थाली खाली है। शोषित, वंचित, गरीब और पीछे जा रहे हैं। स्वास्थ्य को लेकर सरकार ठोस कदम नहीं उठा रही

है। स्वास्थ्य सेवाएं ठप्प होती जा रही है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सिर्फ प्रचार में आगे है। मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में सुविधाएं नहीं दे रही है। जिले के अस्पतालों में सुचारू इलाज नहीं मिलता। सरकार ने दिल्ली एम्स के लिए 5600 करोड़ रूपये का बजट और पूरे देश के आयुष्मान भारत के लिए सिर्फ 4700 करोड़ बजट दिया है। बजट आवंटन में भेदभाव है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि नदियों की सफाई अभी भी नहीं हुई। "मां गंगा ने बुलाया है" यह शब्द आज भी कानों में गूंजता है लेकिन मां गंगा की क्या हालत है, किस हालत में बह रही है, उसकी कोई सुध नहीं है। समाजवादी सरकार में नदियों की सफाई का कार्य शुरू किया था। लेकिन भाजपा की बुलडोजर सरकार ने सब रोक दिया।

उन्होंने कहा कि यमुना की हालत भी खराब है। यमुना की सफाई का भी कोई इंतजाम नहीं है।आज नदियों में बहुत प्रदूषण है। अन्तर्राष्ट्रीय मंच पर भारत के पर्यावरण को लेकर सवाल उठ रहे हैं। देश की हवा को खराब बताया जा रहा है। ऐसे में निवेश कैसे आयेगा।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि इस सरकार में आरक्षण का जिस तरह खिलवाड़ हो रहा है उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों की नियुक्तियों में भेदभाव हो रहा है। उन्होंने कहा कि भारत तभी विकसित होगा जब पिछड़े, दलितों अल्पसंख्यकों को बराबरी का अवसर और सम्मान मिलेगा। जब तक इन्हें पूरा हक नहीं मिल रहा है तब तक विकसित भारत का सपना अधूरा है।

उन्होंने कहा कि आज बात हर घर नल और जल की होती है। लेकिन पानी की टंकियां भाजपा का भ्रष्टाचार नहीं सह पा रही हैं। भाजपा के विधायक ने ही मंत्री को घेर लिया। मंत्री जी का अपहरण कर लिया और यह कहते हैं कि यूपी में अराजकता नहीं है। प्रधानमंत्री जी यूपी गए थे। दावा किया गया कि लाखों करोड़ का एमओयू हुआ है। निवेश आयेगा। सरकार बताए कि कितना निवेश जमीन पर उतरा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने पूरा बाजार, कारोबार विदेशियों को दे दिया। चीन बाजार और जमीन पर नज़र लगाये हुए है। देश में बेरोजगारी बढ़ी है। सरकार की योजनाएं फेल हो गईं। सरकार योजनाओं का पैसा नहीं खर्च कर पाती। योजनाएं हवा-हवाई हैं। मनरेगा में गरीबों को गांव स्तर पर रोजगार मिलता था उसे भी बर्बाद कर दिया। ये बीबी रामजी योजना लाये हैं और रामजी को सदन में पीछे बैठाते हैं। अयोध्या और भगवान श्रीराम को लेकर भाजपा सदस्यों की टोका टोकी पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में जिन्होंने गोली चलवायी थी अब वह मंदिर बनवा रहे हैं। अगर भाजपाइयों को पता न हो तो जाकर पूछ लें।

यूपी में भाजपा का विदाई बजट
हवा हवाई

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि यह उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के आखिरी और विदाई बजट में भी सरकार जनता से किए वादों को भूल गयी। यह हवा हवाई बजट है। उन्होंने कहा कि सरकार केवल आंकड़ों और प्रचार से जनता को गुमराह कर रही है। इसमें जनता की भलाई के लिए कुछ नहीं है। भाजपा जनता की भावनाओं से खेलती है। बजट में गरीबों, किसानों, युवाओं के लिए कुछ नहीं है। बजट का आकार बड़ा है तो मंहगाई क्यों नहीं कम हुई? बेरोजगारी क्यों नहीं खत्म हुई?

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस की शुरुआत पहेली से करते हुए कहा कि जब मुंह खोला, तब बुरा बोला। यह पहेली भाजपा सरकार पर एकदम सटीक बैठती है। भाजपा सरकार का यह विदाई बजट सिर्फ भ्रमित करने के लिए है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि ट्रिलियन डालर इकोनामी के लिए जीएसडीपी 90 लाख करोड़ की होनी चाहिए और ग्रोथ रेट 30 फीसदी होनी चाहिए। जब आखिरी बजट पेश कर दिया तो 90 लाख करोड़ की जीएसटडीपी कहां से बनाएंगे। यह सरकार कृषि और मध्यम उद्योगों को मदद नहीं कर रही है। स्वास्थ्य और शिक्षा का बुरा हाल है। यूपी की प्रति व्यक्ति आय देश के अन्य राज्यों की तुलना में नीचे से दूसरी है। सरकार बजट में कह रही है कि 50 लाख करोड़ का एमओयू साइन किया है, लेकिन यह नहीं बताती है कि कितना निवेश जमीन पर आया। अगर सरकार और इन्वेस्ट यूपी के आंकड़ों को देखा जाए तो यह सरकार पिछले दस साल में केवल एक लाख करोड़ रूपये का निवेश ला पायी है। वो भी जमीन पर नहीं दिखाई दे रहा है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी के बजट में किसानों की आय दोगुनी करने पर कोई चर्चा नहीं है। किसानों को फसलों के एमएसपी की कानूनी गांरटी नहीं मिली। भाजपा सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को बर्बाद कर दिया है। सरकार की मंशा है कि स्वास्थ्य विभाग ठप पड़ जाये, जिससे लोग इलाज के लिए निजी अस्पतालों में चले जायें।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में किसानों के लिए मुफ्त बिजली, 5 हजार करोड़ की लागत से सिंचाई योजना, 25 हजार करोड़ की लागत से सरदार पटेल एग्रो मिशन, 2 हजार नई बसों के माध्यम से गांवों तक बस सुविधा, आलू-टमाटर प्याज जैसी फसलों को न्यूनतम मूल्य देने के लिए 1000 करोड़ रूपये की योजना, गन्ना किसानों को 14 दिन में भुगतान, नहीं तो ब्याज समेत भुगतान का वादा किया था। उन वादों का क्या हुआ।

साथ ही उज्जवला के सभी लाभार्थियों को होली, दीपावली पर दो मुफ्त सिलेण्डर, काशी, मेरठ, झांसी, प्रयागराज में मेट्रो रेल चलाने का वादा किया था। भाजपा सरकार ने अपना आखिरी बजट पेश कर दिया, लेकिन इन घोषणाओं का क्या हुआ? भाजपा सरकार इन घोषणाओं को कब पूरा करेगी? क्या इन घोषणाओं के लिए बजट दिया गया है? उन्होंने कहा कि पुलिस के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने के लिए कुछ नहीं किया गया। डायल 100 को डायल 112 करके बर्बाद कर दिया। देश और प्रदेश की जनता को सोचना है कि भारत को किस दिशा में जाना है। उन्होंने कहा कि समाजवादियों ने जो रास्ता दिखाया है उसी पर चलकर देश खुशहाली और तरक्की के रास्ते पर जायेगा।

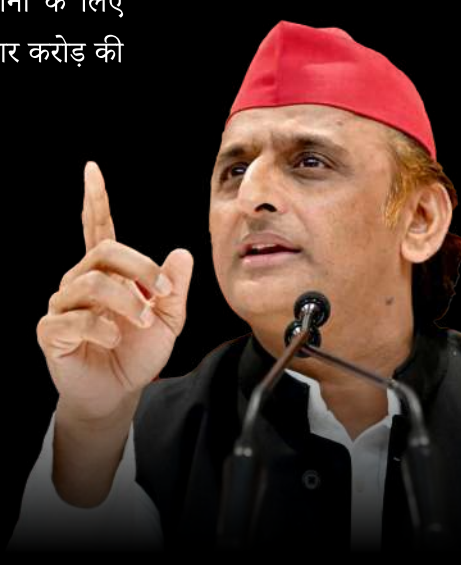

नसीमुद्दीन समेत कई नेता साइकिल पर सवार

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे अगले वर्ष होनेवाला विधानसभा चुनाव करीब आ रहा है वैसे-वैसे अन्य दलों के प्रमुख नेता समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे हैं। यह सिलसिला जारी है।

इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी की नीतियों और राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था जताते हुए बसपा और कांग्रेस, अपना दल (एस) और भाजपा छोड़कर बड़ी संख्या में प्रमुख नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने समर्थकों के साथ 15 फरवरी को समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

शामिल होने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व कैबिनेट मंत्री सर्वश्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी, पूर्व मंत्री अनीस अहमद खां उर्फ फूल बाबू बसपा सहित दीनानाथ कुशवाहा पूर्व विधायक देवरिया, राजकुमार पाल पूर्व विधायक प्रतापगढ़ सदर, डॉ. दानिश खान एआईएमआईएम कन्नौज पूर्व प्रत्याशी, पूर्व सदस्य विधान परिषद श्रीमती हुस्ना सिद्दीकी, श्रीमती पूनम पाल एवं पहली ड्रोन पायलट इटावा की रंजना पाल भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

श्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी के साथ सर्वश्री शिव शंकर भुर्जी, शंभू प्रजापति, अयाज आब्दी, चमन लाल पूर्व वामसेफ प्रभारी, राधेलाल रावत, राम जियावन, मौलाना जमीर कासमी, अफजल सिद्दीकी, शाहिद शेख, महोबा के भाजपा नेता जिला पंचायत सदस्य श्री आनंद द्विवेदी, तौकीर आदि तमाम नेता भी समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

इस अवसर पर नसीमुद्दीन ने कहा कि आज समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे सभी नेता और कार्यकर्ता अनुशासन के साथ एकजुट होकर समाजवादी पार्टी को मजबूत करेंगे। समाजवादी पार्टी मजबूत होगी तो हम सब मजबूत होंगे।

उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाना है। हमें सत्ता परिवर्तन करना है तभी सबको इंसाफ मिलेगा। समाजवादी पार्टी में शामिल हुए सभी नेताओं ने 2027 के विधानसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी की

सरकार बनाने और श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया।

श्री अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले सभी नेताओं एवं साथियों का स्वागत किया और धन्यवाद दिया। श्री यादव ने कहा कि बहुजन समाज और समाजवादी पार्टी का रिश्ता बहुत गहरा है। नए साथियों के आने से समाजवादी पार्टी और ज्यादा मजबूत होगी। 2027 में पीडीए की जीत और बड़ी होगी।

उन्होंने कहा कि यह पीडीए का प्रेम प्रसार समारोह है। होली मिलन से पहले यह पीडीए होली मिलन हो रहा है। उन्होंने कहा कि हम सब मिलकर सामाजिक न्याय की लड़ाई को और मजबूती से लड़ेंगे।

वहीं 16 फरवरी को श्री अखिलेश यादव के समक्ष वरिष्ठ कांग्रेस नेता तथा पूर्व विधायक श्री के.के. शर्मा ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उन्होंने सन 2027 के चुनाव में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का भी संकल्प लिया। उनके साथ सर्वश्री अनन्त शर्मा, सुभाष शर्मा, हरदीप भाटी, सुधीर भाटी, सतेन्द्र त्यगी, हर्ष त्यागी, बाबूराम त्यागी, रिटायर्ड कर्नल अमरदीप त्यागी, अंकित शर्मा, पिन्टू चौधरी, अमित चौधरी, पंकज शर्मा, सचिन शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा, शरद शर्मा, रविकान्त शर्मा, अनिल कुमार, राजा शर्मा तथा कपिल कात्यायन भी समाजवादी पार्टी में शामिल हुए।

25 जनवरी को समाजवादी पार्टी की नीतियों और श्री समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व के प्रति आस्था जताते हुए राष्ट्रीय लोक दल के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई प्रमुख नेताओं ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

कैराना की सांसद सुश्री इकरा हसन की उपस्थिति में राष्ट्रीय लोक दल के युवा प्रदेश सचिव श्री राहुल सैनी के साथ सर्वश्री देश राज सैनी थाना भवन, मुन्ना सिंह उर्फ ब्रजभूषण सिंह, जयसिंह चेयरमैन, अनूप सिंह रोड, राम मेहर गंदेवडा, शानू प्रधान मसावी अपने कई साथियों के साथ आज रालोद छोड़कर समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए।

श्री अखिलेश यादव ने आशा जताई कि इनके आने से समाजवादी पार्टी को मजबूती मिलेगी और 2027 में भाजपा सरकार जाएगी। समाजवादी पार्टी की सरकार आएगी।

रालोद से आए साथियों ने कहा कि वे सभी 2027 में समाजवादी पार्टी को बहुमत से जिताकर श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए एकजुट होकर काम करेंगे।

वहीं 31 जनवरी को श्री अखिलेश यादव के नेतृत्व एवं समाजवादी पार्टी की नीतियों में आस्था जताते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्री श्याम लाल पाल के समक्ष समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में कैण्ट विधानसभा लखनऊ और घाटमपुर विधानसभा कानपुर के लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली।

समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने वालों में सर्वश्री नरेन्द्र सिंह छाबड़ा कार्यकारिणी सदस्य गुरूद्वारा समिति सदर कैण्ट लखनऊ, नवल जीत सिंह नागपाल विधानसभा कैण्ट, आत्मा सिंह, हरदीप सिंह नन्दा, परमजीत सिंह लाली, सुरेन्द्र सिंह छाबड़ा, महेन्द्र सिंह छाबड़ा, जगजीत सिंह गांधी, रश्मित सिंह नागपाल कैण्ट, शिवम दीक्षित मोहनलाल गंज विधानसभा शामिल रहे।

इनके अतिरिक्त विधानसभा घाटमपुर कानपुर से सर्वश्री मुन्नालाल कठेरिया पूर्व जिला पंचायत प्रत्याशी पतारा, राहुल भारती पूर्व प्रधान प्रत्याशी पतारा, जितेन्द्र कुशवाहा बीडीसी पतारा, सुभाष यादव रिटायर्ड फौजी, संदीप श्रीवास्तव पतारा ने भी समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

शामिल होने वाले सभी नेताओं ने संकल्प लिया कि वे 2027 के विधानसभा चुनाव में श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए जी-जान लगा देंगे।

यूपी में सरकार बनाने के लिए जुट जाएं सांसद-विधायक –अखिलेश

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में फतह हासिल करने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने सपा सांसदों व विधायकों के साथ अलग-अलग बैठकें कर उन्हें टिप्स दिए।

सांसदों-विधायकों से कहा गया कि वे क्षेत्र में सक्रिय हो जाएं, आम जन के दुख-सुख में शामिल हों। सांसदों-विधायकों ने बताया कि जनता, समाजवादी पार्टी के पक्ष में 2024 लोकसभा चुनाव से बेहतर नतीजा देने के लिए तैयार है, केवल भाजपा की साजिशों के खिलाफ सतर्क और सजग रहने की आवश्यकता है क्योंकि भाजपा धांधली कराने से बाज़ नहीं आ रही है।

श्री अखिलेश यादव ने सांसदों-विधायकों से उनके क्षेत्रों के बारे में हर एक बिंदु की समीक्षा की। आम जन की समस्याओं के बारे में जाना और उनके समाधान के लिए जन प्रतिनिधियों से प्रयास करने को कहा।

समाजवादी पार्टी के सभी सांसदों की बैठक 20 जनवरी को राज्य मुख्यालय लखनऊ में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। सभी सांसदों को अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों में दिन-रात एक कर मेहनत करनी है। जनता के सुख-दुःख में साथ रहकर उनके मुद्दों के लिए लड़ना है।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा के अन्यायपूर्ण शासन से छुटकारा पाने और उत्तर प्रदेश से भाजपा की अराजकता समाप्त करने के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर जनता के लाकतांत्रिक अधिकारों को बहाल करना है।

सभी सांसदों और विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव में जनपदीय स्तर पर घोषणा पत्र बनाया जाएगा। जनता के मुद्दे शामिल होंगे।

25 जनवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कैराना लोकसभा की सांसद तथा अन्य प्रमुख नेताओं से 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की।

श्री यादव ने लोकसभा क्षेत्र के नेताओं से क्षेत्र के चुनावी समीकरण, एसआईआर की

प्रगति तथा संगठन की मजबूती पर भी वार्ता की। बैठक में कैराना की सांसद सुश्री इकरा हसन और पूर्व सांसद श्रीमती तबस्सुम हसन विशेष रूप से मौजूद रहीं।

इस अवसर पर श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का 2027 में प्रदर्शन-2024 से भी ज्यादा अच्छा होगा। भाजपा की चालाकी को परास्त करने की ताकत लोकतंत्र में है। प्रदेश की जनता भाजपा से मुक्ति चाहती है और पीडीए की सरकार बनाने के लिए संकल्पित है।

श्री यादव ने कहा कि एसआईआर के बहाने एनआरसी कराने की चालबाजी करने का भाजपा का इरादा रहा है लेकिन अब लोग उससे सतर्क हो गए हैं। भाजपा की नफरती राजनीति के मुकाबले समाजवादी पार्टी सद्भाव और विकास की राजनीति करती है। भाजपा तोड़ने का काम करती है। समाजवादी जोड़ने का काम करते हैं। समाजवादी पार्टी सभी समाज का सम्मान करती है। सबके हक और सम्मान के लिए काम करती है।

8 फरवरी को राज्य मुख्यालय पर सपा विधायकों की बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने भाजपा से सभी को सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा कि 2027 के चुनाव का समय कम है इसलिए पूरी तैयारी से करो या मरो की भावना के साथ हमें समाजवादी सरकार बनाने का रास्ता प्रशस्त करना है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, भाईचारा, सामाजिक सद्भाव के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना समय की मांग है। भाजपा सौ फीसदी असत्य के मार्ग पर है। भाजपा अपराधियों का गैंग है। भाजपा का स्वस्थ राजनीति से कोई सरोकार नहीं है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का विधानसभा चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। भाजपा षड्यंत्र करने से बाज नहीं आएगी। भाजपा के पास संसाधन बहुत हैं। फिर भी भाजपा पीडीए से घबराई हुई है। उत्तर प्रदेश से भाजपा सरकार की विदाई का असर भाजपा की केन्द्र सरकार की बेदखली तक जाएगा।

श्री अखिलेश यादव ने भाजपा से सभी को सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा कि 2027 के चुनाव का समय कम है। पूरी तैयारी से करो या मरो की भावना के साथ हमें समाजवादी सरकार बनाने का रास्ता प्रशस्त करना है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र, भाईचारा, सामाजिक सद्भाव के लिए भाजपा को सत्ता से हटाना समय की मांग है। भाजपा सौ फीसदी असत्य के मार्ग पर है। भाजपा अपराधियों का गैंग है। भाजपा का स्वस्थ राजनीति से कोई सरोकार नहीं है।

18 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय पर राज्य भर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने आगाह किया कि समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं को भाजपा से सावधान रहना है। भाजपा के जाल में नहीं फंसना है।

उन्होंने कहा कि कहा कि भाजपा संविधान को खत्म करना चाहती है। भाजपा को लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद से चिढ़ है। भाजपा पीडीए को बदनाम करना चाहती है। नौजवानों में फूट डाल रही है। समाजवादी पार्टी के विरोध के प्रचार की नीति बना रही है इसलिए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता नकारात्मकता से दूर रहें।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी डॉ. राम मनोहर लोहिया और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सिद्धांतों पर चलने के लिए अडिग है। उन्होंने कहा कि पीडीए का रास्ता ही विकल्प है। कार्यकर्ता एकजुटता और आपसी तालमेल से कार्य करें। उत्तर प्रदेश का विधानसभा चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है। है।

शंकराचार्य से प्रमाण पत्र मांगने वाले योगी होने का सबूत भी दें

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री अखिलेश यादव ने जगद्गुरु शंकराचार्यजीके प्रति उत्तर प्रदेश सरकार, विशेष रूप से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, के अपमानजनक व्यवहार की कड़ी निंदा की है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। शंकराचार्य जी को गंगा जी में स्नान से रोका गया।

जिसने शंकराचार्य जी को गंगा जी में स्नान से रोका और पौराणिक परम्परा को तोड़ा वह सनातनी नहीं हो सकता है। जो अधिकारियों के माध्यम से शंकराचार्य जी से प्रमाण पत्र मांग रहे हैं उन्हें अपने योगी होने का भी प्रमाण पत्र दिखाना चाहिए। शंकराचार्य जी को मानने वाला हर व्यक्ति आज दुःखी है और उनके साथ-साथ सनातन के अपमान के लिए भी उसकी भावनाएं बुरी तरह आहत हुई है।

दरअसल अधर्मी भाजपाई और उनके सत्ता लोलुप संगी-साथी हर तरह की सत्ता पर क़ाबिज़ होना चाहते हैं, इसीलिए उनसे भी काग़ज़ माँग रहे हैं, जिनकी सनातनी परंपरा तब से चली आ रही है, जब काग़ज़ की उत्पत्ति भी नहीं हुई थी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के दंभ ने अनादिकाल से चली आ रही सनातनी परंपरा को तोड़ दिया है। शंकराचार्य जी का तीर्थराज प्रयाग की धरती पर माघ मेले को बिना पवित्र स्नान किये छोड़कर जाना एक अत्यंत अनिष्टकारी घटना है।

संपूर्ण विश्व का सनातन समाज इससे आहत ही नहीं बल्कि अनिश्चित भय से आशंकित है। श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा और उसके संगी-साथी चाहते तो सत्ता की हनक और अपने अंहकार को त्यागकर अपने कंधों पर उनकी पालकी उठाकर, उन्हें त्रिवेणी-संगम पर पावन स्नान कराकर, उनके मर्माहत सम्मान का मान रख सकते थे लेकिन भाजपाइयों को भ्रष्ट साधनों से अर्जित अपनी शक्ति का घमंड है, जो उन्हें ऐसा करने से रोक रहा है।

शंकराचार्य जी और सभी साधु-संत हम सब की शोभा हैं। तमाम अनुयायी उनसे मिलने

और आशीर्वाद लेने आते हैं, यही सनातन धर्म की परम्परा है।

भाजपा सनातन परम्परा को तोड़ रही है। साधु-संतों और शंकराचार्य जी को जानबूझकर अपमानित कर रही है। भाजपा सरकार ने शंकराचार्य जी और साधु-संतों के साथ दुर्व्यवहार किया है। भाजपा को अधिकारियों के माध्यम से ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए।

श्री यादव ने कहा कि हम लोग साधु-संतों शंकराचार्य जी से आशीर्वाद लेकर जनता की सेवा करेंगे। जो साधु-संत सच्चाई और सत्य के मार्ग पर चलते हैं वही असली संत होते हैं। कुछ लोग सरकार के हिसाब से चलते हैं, वह सच्चे संत नहीं हैं।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि पहन ले कोई जैसे भी 'चोले' पर उसकी वाणी पोल खोले। परम पूज्य शंकराचार्य जी के बारे में घोर अपमानजनक अपशब्द बोलना, शाब्दिक हिंसा है और पाप भी। ऐसा कहने वाले के साथ-साथ उनको भी पाप पड़ेगा जिन्होंने चापलूसी में विधानसभा में मेजें थपथपाई हैं। जब भाजपा के विधायक सदन के बाहर जाएंगे और जनता का सामना करेंगे तो जनता सड़क पर उनका सदन लगा देगी।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि जब इंसान नहीं, अहंकार बोलता है तो यही होता है। अहंकार संस्कार को विकार में बदल देता है। वो व्यक्ति समाज में मान-सम्मान खो देता है, जिसके बारे में ये कहावत प्रचलित हो जाती है कि: 'जब मुँह खोला, तब बुरा बोला!' 'हाता नहीं भाता' का ये विस्तारित रूप हैं।

यही सच्ची सच्चाई है।

जिस समाज के ख़िलाफ़ रहकर उन्होंने हमेशा अपनी नफ़रत की राजनीति की है, उसे धर्म के मामले में भीअपमानित-पराजित करने का ये उनका अंहकार है। उन्होंने कहा कि हमारे धर्म में एक चीज़ है, जो पाप करेगा, उसे फल मिलेगा। जो लोग यह पाप कर रहे हैं उन्हें इसका फल इसी जन्म में, इसी जगह मिलेगा, भगवान हिसाब करेगा।

भाजपा सरकार ने काशी में मणिकर्णिका घाट को तोड़ा। पूज्य अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति को तोड़ा। सनातन को संरक्षण करने के बजाय उसे ध्वस्त किया। दालमंडी की दुकानों पर बुलडोजर चलवा दिया। भाजपा किसी की सगी नहीं है। शंकराचार्य जी को अपमानित करने वालों को पता होना चाहिए कि शंकराचार्य जी शंका से परे होते हैं।

मुख्यमंत्री जी भाषा को लेकर श्री यादव ने कहा कि इनकी भाषा ऐसी है, जब मुंह खोला तो बुरा बोला। सभी ने सुना कि विधानसभा के सदन में मुख्यमंत्री ने नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पाण्डेय को अपमानित किया। उनके और उनके परिवार के बारे में मुख्यमंत्री जी ने जिस तरह की अपमानजनक भाषा बोली उसे सभी ने सुना और देखा।

श्री यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा विभाग का बजट एक लाख करोड़ रूपये है और ऐसे राज्य के मुख्यमंत्री की भाषा और व्यवहार कैसा है, यह सोचने वाली बात है।

उन्होंने कहा कि संतो का मन दुखी करके कोई सुख नहीं पा सकता है। भूल करने से बड़ी गलती, क्षमा न मांगना है। कोई भी राजनीतिक पद, संतों के मान से बड़ा नहीं हो सकता। भाजपा सनातन की भी सगी नहीं है। आज हर सनातनी मन से बेहद दुखी है।

धार्मिक अनुष्ठानों में व्यवधान उत्पन्न करने वालों को क्या कहते हैं, ये भाजपाइयों को समझाने की ज़रूरत है क्या?

हमारे महाकाव्यों का यही मूलभूत संदेश है कि घमंड के दंड से कभी कोई दुर्जन नहीं बचता है। आहत संत अर्थात सत्ता का अंत। भाजपाइयों का 'सनातन के समापन' का सपना कभी पूरा नहीं होगा। चाहे प्रयागराज में 'संतों-साधुओं-महात्माओं' के अपमान का मामला हो या काशी में पूज्य अहिल्या देवी होल्कर जी की धरोहर के अपमानजनक ध्वस्तीकरण का, ये सब 'सनातनी परंपरा' को ख़त्म करने की भाजपाई संगी-साथियों की गहरी साज़िश है।

यूपी में फर्जी एनकाउंटर पर हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

बुलेटिन ब्यूरो

फर्जी एनकाउंटर के जरिये अपनी पीठ थपथपा रही भाजपा सरकार को हाईकोर्ट ने आईना दिखाते हुए कड़ी टिप्पणी की है। हाईकोर्ट ने बारीक बिंदु पकड़ा है कि किसी पुलिस वाले को चोट न लगना संदेह उत्पन्न करता है। यहां गौरतलब है कि यूपी में पुलिस इतनी बेलगाम हो गई है कि वह हाॅफ एनकाउंटर के जरिये अपनी हनक दिखाना चाहती है। बावजूद यूपी में अपराध थम नहीं रहा है। हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद भी भाजपा सरकार को तनिक भी हया-शर्म नहीं आई।

यूपी में कोई दिन ऐसा नहीं जाता जबकि किसी न किसी जिले से हाफ एनकाउंटर की खबरें न आती हों। ऐसा ही एक मामला मिर्जापुर का था जिसमें राजू नामक शख्स को फर्जी केस में फंसाने का मामला हाई कोर्ट पहुंचा। हाई कोर्ट ने पुलिस एनकाउंटर पर सख्त टिप्पणी की और कहा कि सजा देना केवल न्यायालय का अधिकार है। हाई कोर्ट ने नियम तोड़ने पर एसपी को सीधे जिम्मेदार ठहराने की बात कही। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करने को अनिवार्य बताते हुए पुलिस एनकाउंटर में अभियुक्तों के पैरों में गोली मारने की बढ़ती घटनाओं पर नाराजगी जताई।

हाईकोर्ट ने पुलिस की इस कार्यवाही को कानून के शासन और सांविधानिक मर्यादाओं के खिलाफ भी बताया। न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने कोर्ट की दिशा-निर्देशों की अनदेखी पर अवमानना की कार्यवाही की चेतावनी भी दी।

दरअसल यूपी की भाजपा सरकार में पुलिस पूरी तरह बेलगाम हो चुकी है और उसे कानून के राज की फिक्र नहीं रह गई है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने हमेशा ही पुलिस की इस प्रवृत्ति का विरोध किया मगर अहंकार में डूबी भाजपा सरकार ने इस ओर ध्यान ही नहीं दिया। नतीजा यह हुआ कि हाई कोर्ट में सरकार की किरकिरी हो गई।

हाईकोर्ट ने यहां तक टिप्पणी कर दी कि छोटे-छोटे अपराधों, जैसे चोरी या लूट के मामलों में भी पुलिस की ओर से मुठभेड़ दिखाकर आरोपियों के पैरों में गोली मारने की घटनाएं सामने आ रही हैं। इन मामलों में किसी भी पुलिसकर्मी को चोट नहीं आई है जिससे संदेह होता है।

हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को खास निर्देश भी जारी किया है। 'पीयूसीएल बनाम महाराष्ट्र राज्य' के सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए हाईकोर्ट ने कहा है कि एनकाउंटर में मौत या गंभीर चोट की स्थिति में तुरंत एफआईआर हो और जांच सीबीसीआईडी या किसी अन्य थाने की टीम से कराई जाए। घायल व्यक्ति का बयान मजिस्ट्रेट या मेडिकल अधिकारी के समक्ष दर्ज करना अनिवार्य होगा। हाईकोर्ट का यह भी आदेश है कि एनकाउंटर के तुरंत बाद पुलिसकर्मियों को किसी प्रकार का पुरस्कार या पदोन्नति नहीं दी जाएगी।

झूठे एनकाउंटर
प्रशासन को भ्रष्ट करते हैं

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि झूठे एनकाउंटर प्रशासन को भ्रष्ट करते हैं। कोर्ट के अलावा किसी और का सज़ा देना, खुद में एक गुनाह है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद बड़े पैमाने पर फर्जी एनकाउंटर हुए हैं। इस सरकार में कई निर्दोष लोगों की जिंदगी और घर परिवार बर्बाद हो गए। भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। फर्जी एनकाउंटर के नाम पर हत्याएं हुई हैं।

सरकार के इशारे पर पुलिस बेलगाम है। अब तो खुद कोर्ट को नाराजगी जतानी पड़ रही है। भाजपा सरकार असली अपराधियों को बचाती है। जिसकी वजह से अपराध, भ्रष्टाचार, हेराफेरी और मिलावटखोरी कम होने का नाम नहीं ले रही है। भाजपा सरकार पुलिस प्रशासन का दुरुपयोग कर रही है। संविधान और कानून का पालन नहीं हो रहा है। भाजपा जनता में भय पैदा करना चाहती है।

श्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की तैनाती में भेदभाव होता है। सत्ता के संरक्षण में सरकार के चहेते पुलिस के कुछ अधिकारी मनमानी करते हैं और कानून हाथ में लेते है। फर्जी और झूठे एनकाउंटर करते हैं। झांसी व नोएडा में हाल में हुए फर्जी एनकाउंटर उदाहरण हैं। भाजपा सरकार हर मोर्चे पर फेल हो चुकी है। कानून व्यवस्था, ध्वस्त, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम पर है। प्रदेश की जनता भाजपा को हटाने के लिए तैयार है। 2027 में जनता भाजपा के अन्यायी शासन का अंत कर देगी।

मोईद खान बरी
सरकार की किरकिरी

बुलेटिन ब्यूरो

खास जाति व धर्म के आधार पर निर्दोषों को जेल भेजने की नीति के तहत भाजपा सरकार ने अयोध्या के बुजुर्ग सपा नेता मोईद खान को गैंग रेप के आरोप में जेल भेजा और न्याय पालिका के फैसले से पहले ही दोषी मानते हुए उनकी बेकरी भी आननफानन में ध्वस्त कर दी।

अब जबकि न्यायालय ने साक्ष्यों के आधार पर सपा नेता को बाइज्जत बरी कर दिया है तो भाजपा सरकार की कार्यवाही पर सवाल उठ रहे हैं। सरकार के पास कोई जवाब नहीं है और वह इस मसले पर मुंह भी नहीं दिखा पा रही है।

29 जुलाई 2024 को सपा नेता मोहम्मद मोईद खान और उनके नौकर राजू खान पर पूराकलंदर थाना में नाबालिग दलित युवती के साथ गैंग रेप का केस दर्ज कराया था। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश की विधानसभा में मोईद को रेप का दोषी बताते हुए समाजवादी पार्टी पर भी सवाल खड़े किए थे। सीएम के विधानसभा के बयान के कुछ ही घंटे बाद प्रशासन ने मोहम्मद मोईद के केक बेकरी और तीन मंजिला कॉम्प्लेक्स को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया था।

हद तो तब हो गई जब मुख्यमंत्री इस कार्यवाही को लेकर खुद ही अपनी पीठ थपथपाने लगे थे और समाजवादी पार्टी पर आरोप लगाने में जुटे थे। उन्होंने सार्वजनिक मंचों से प्रशासन की इस कार्यवाही को जायज ठहराया था।

अब 28 जनवरी 2026 को विशेष पॉक्सो कोर्ट का फैसला आया और कोर्ट ने सबूतों और वैज्ञानिक जांच के आधार पर मोहम्मद मोईद को बेगुनाह बताते हुए बा-इज्जत बरी कर दिया। इस आदेश के बाद भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री की भद पिट गई और अब सवाल हो रहे हैं कि आखिर सरकार किसी न्यायालय से पहले ही सजा कैसे दे सकती है या किसी को दोषी कैसे ठहरा सकती है।

जाहिर है, भाजपा सरकार कानून और संविधान को नहीं मानती है और इसी तरह मनमाने फैसले करती है। यह सिर्फ इसी घटना से नहीं बल्कि यूपी में हो रहे एनकाउंटरों पर हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी से भी जाहिर हो चुका है।

चुनाव जीतने के लिए बुजुर्ग को जेल में रखा

बुलेटिन ब्यूरो

लोकसभा के बजट सत्र में हिस्सा लेते हुए 10 फरवरी को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने अयोध्या निवासी मोईद खान को झूठे रेप आरोप में फंसाने का मुद्दा जोरदार तरीके से उठाते हुए भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला।

श्री अखिलेश यादव ने लोकसभा में बेबाकी से कहा कि भाजपा सरकार ने चुनाव जीतने के लिए अयोध्या निवासी मोहम्मद मोईद खान को रेप केस में झूठा फंसाया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि मोहम्मद मोईद को इसलिए फंसाया क्योंकि वह मुस्लिम थे। उन्होंने कहा कि 72 वर्ष के मोहम्मद मोईद खान को 19 महीने तक जेल में रखा गया और भाजपा द्वारा समाजवादी पार्टी को बदनाम किया गया।

उन्होंने कहा कि अयोध्या की जनता को वह धन्यवाद देते हैं कि उन्होंने भाजपा की सांप्रदायिक राजनीति को समाप्त करते हुए समाजवादी पार्टी के श्री अवधेश प्रसाद को सांसद चुना।

श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार चरम पर है। भाजपा ने अयोध्या में विकास के नाम पर भ्रष्टाचार किया। प्रधानमंत्री जी का संसदीय क्षेत्र काशी क्योटो नहीं बना लेकिन वाराणसी के दालमंडी में बुलडोजर चलाकर ध्वस्त करा दिया। दालमंडी में भाजपा को वोट नहीं मिलता था इसलिए ध्वस्त करा दिया।

जनेश्वर जी के व्यक्तित्व एवं समाजवादी सरोकारों पर चर्चा

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और छोटे लोहिया श्री जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर 22 जनवरी को राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों तथा अन्य राज्यों में समाजवादी पार्टी द्वारा श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन कर उनके व्यक्तित्व एवं समाजवादी आंदोलन में उनकी भूमिका पर चर्चा की गई।

लखनऊ में पार्टी मुख्यालय एवं जनेश्वर मिश्र ट्रस्ट के अलावा गोमती नगर स्थित जनेश्वर मिश्र पार्क में छोटे लोहिया जी की आदमकद प्रतिमा पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। श्री जनेश्वर मिश्र की पुत्री-दामाद मीना तिवारी एवं चन्द्रशेखर तिवारी ने श्री अखिलेश यादव को कैलेंडर-

डायरी भेंट की। ट्रस्ट के सभी सदस्यों को भी यह भेंट दी गई।

श्रद्धांजलि सभा के बाद जब श्री अखिलेश यादव वापस लौटने लगे तब उन्होंने पार्क के एक हिस्से में बड़ी संख्या में बच्चों की भीड़ देखकर गाड़ी रोक दी और पैदल ही उनके बीच पहुंच गए। बच्चे स्प्रिंगडेल कालेज कानपुर रोड ब्रांच के थे। उन्होंने बच्चों को बिस्किट दिए। नन्हें-मुन्ने बच्चे और अध्यापिकाएं अपने बीच श्री अखिलेश यादव को पाकर प्रसन्नता से फूले नहीं समा रहे थे।

बच्चाे से मुलाकात के बाद श्री अखिलेश यादव भावुक हो गए और उन्होंने कहा कि पार्क में जब पिकनिक मनाते हंसते-खेलते बच्चों से मिला तो लगा हमने ख़ुशियों के फूल खिलाने के लिए 'जनेश्वर मिश्र पार्क' के रूप में जो कोशिश की थी, वह सफल रही।

उन्होंने कहा कि बच्चे परिवार की बगिया के फूल होते हैं। अगर भाजपा सरकार बच्चों के झूलों का मन से रख-रखाव करती और बोटिंग बंद न करती तो बच्चे और प्रसन्न होते। बच्चों की खुशियां कितनी अनमोल होती हैं, ये कोई परिवारवाला ही समझ सकता है। उन्होंने कहा कि बच्चे आज भी मुस्कुराएं और कल भी, यही हमारा सपना भी है और संकल्प भी, हम आएंगे झूले फिर से अपनी रौनक पाएंगे।

श्री जनेश्वर मिश्र की प्रतिमा पर राष्ट्रीय महासचिव श्री शिवपाल सिंह यादव, नेता विरोधी दल श्री माता प्रसाद पाण्डेय, राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र चौधरी, जनेश्वर मिश्र जी के परिवार के सदस्य श्री तारकेश्वर मिश्र, श्रीमती मीना तिवारी, चन्द्रशेखर तिवारी, विश्वभूषण तिवारी आदि ने भी श्रद्धांसुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम में सर्वश्री रविदास मेहरोत्रा विधायक, राम आसरे विश्वकर्मा पूर्वमंत्री, डॉ. राजपाल कश्यप पूर्व एमएलसी, जयसिंह जयंत, फाखिर सिद्दीकी महानगर अध्यक्ष, अंबरीष पुष्कर पूर्व विधायक, सुशील दीक्षित, पूजा शुक्ला, राजकुमार मिश्रा, फखरूल हसन चांद प्रवक्ता, दद्दन खां, सीएल वर्मा, राहुल सिंह, ममता रावत पार्षद, राम नरेश रावत पार्षद, विनीत कुशवाहा, अरविन्द गिरि, श्री रामकरन निर्मल, अनीस राजा, सिकन्दर यादव पायल सिंह किन्नर, देवेन्द्र सिंह जीतू उपनेता पार्षद दल, राम सिंह राणा, यामीन खां आदि ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उधर समाजवादी पार्टी उत्तराखंड में जनेश्वर मिश्र जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. सत्य नारायण सचान, अतुल शर्मा, रवि थापा, घनश्याम मौर्य, द्वारिका यादव, आजाद चौधरी, डॉ. बीसी पांडेय, एमके यादव सहित रामचद्र जी ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

समाजवादी संघर्षों के नायक
जनेश्वर मिश्र

जयशंकर पाण्डेय

सोशलिस्ट पार्टी में जब वैचारिक संघर्षों का दौर तेज हुआ तो हैदराबाद में 1957 में सोशलिस्ट पार्टी 2 हिस्सों में बंट गई। एक प्रजा सोशलिस्ट पार्टी और दूसरी संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी।

संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी में युवा शाखा का नाम समाजवादी युवक सभा था लेकिन डा. राम मनोहर लोहिया को, केरल की एक नेता श्रीमती सरस्वती अम्माल जिनको उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद में पार्टी का कार्य करने के लिए रखा था ने, सुझाव दिया कि युवक शब्द में पुरुष का बोध होता है और महिलाओं के लिये स्थान नही है इसलिए युवक के स्थान पर इसे युवजन कर दिया जाए।

यह शब्द तेलुगु भाषा से आया था। समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय अध्यक्षों में रंगनाथ मिश्रा, गौड़े मुरहरी, लाडली मोहन निगम, जैसे लोग थे।

उत्तर प्रदेश की राजनीति में 1960 के दशक से समाजवादी युवजन सभा का विस्तार पूरे उत्तर प्रदेश में हुआ। जनेश्वर मिश्र भी 1965 में समाजवादी युवजन सभा के सचिव थे और उस समय राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसिद्ध समाजवादी नेता किशन पटनायक थे। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 28 अगस्त 1958 को छात्र संघ का चुनाव होने वाला था और पूरे इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रचार प्रसार का माहौल शबाब था उसी समय विश्वविद्यालय का एक छात्र मानसरोवर सिनेमा हाल में सिनेमा देखने के लिए गया था।

टिकट के लेन देन में सिनेमा हाल के मैनेजर से झड़प और मारपीट हो गई जो खबर विश्वविद्यालय में जंगल की आग की तरह फैल गई। छात्रों का एक बडा समूह जनेश्वर मिश्र के नेतृत्व में जिलाधिकारी इलाहाबाद से मिलने के लिए कचेहरी में गया लेकिन

तत्कालीन जिलाधिकारी श्री डी एन मिश्रा ने मिलने से इनकार कर दिया, इससे छात्र भड़क गए और छात्रों का समूह जुलूस में बदल गया और वह मानसरोवर सिनेमा हाल पर पहुंच गया। सिनेमा हाल के कर्मचारी छात्रों पर सोडा वाटरों की बोतलें और ईंट पत्थर से पथराव करने लगे। लाठीचार्ज हुआ और जनेश्वर मिश्र बुरी तरह से घायल हो गए। लाठीचार्ज होने पर सभी लोग भाग गए लेकिन जनेश्वर मिश्र चोट खाकर भी उसी स्थान पर बैठे रहे और उनके सिर से खून टपक रहा था। इस घटना ने जनेश्वर मिश्र को छात्रों का नायक बना दिया। जनेश्वर मिश्र सहित दर्जनों छात्रों को आरोपी बनाकर जेल भेज दिया गया।

शास्त्री जी ने सुझाव दिया कि आप लोग प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू जी से मिल लें। जब श्री नागेन्द्र सिंह प्रधानमंत्री जवाहरलाल जी से मिले तो उन्होंने पूछा मामला क्या है तो नागेन्द्र जी ने कहा कि आपको हमारी यूनियन का उद्घाटन करना है और छात्रों के ऊपर चल रहे मुकदमे को उप्र की सरकार से वापस कराना है।

उसी समय प्रधानमंत्री जी ने मुख्यमंत्री चन्द्रभान गुप्त जी को बुलाकर मुकदमा वापस कराने का निर्देश दिया और छात्रों को 7 दिन की सजा देकर मुकदमा समाप्त करा दिया गया। इसी तरीके की दूसरी घटना 1965 में लक्ष्मी टाकीज कांड में हुई थी।

भारत सरकार द्वारा गुजरात के जमीन का एक हिस्सा बेलवारी पाकिस्तान को दे दिया गया था, जिसके विरोध में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी ने उस समय भारत बन्द का आयोजन किया गया था। इलाहाबाद सम्पूर्ण रूप से बन्द था लेकिन कांग्रेसी नेताओं का वरद्हस्त होने के कारण लक्ष्मी टाकीज खुला हुआ था। जनेश्वर मिश्र के नेतृत्व में समाजवादियों का बहुत बड़ा जुलूस लक्ष्मी टाकीज के पास पहुंच गया। उसके पास लगी हुई रस्सी को हटाकर जुलूस आगे बढ़ना ही चाहता था कि पथराव और लाठी चार्ज शुरू हो गया। जिसमें जनेश्वर मिश्र का सिर फट गया और वह लहूलुहान हो गए। कपड़ा खून से लथपथ हो गया लेकिन जनेश्वर मिश्र हटे नही और भीड़ छंट जाने के बाद भी वही बैठ गए और सिगरेट जला कर पीने लगे।

उपरोक्त दोनों सघर्षों ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में समाजवादी युवजन को इतना मजबूत कर दिया कि कई वर्षों तक समाजवादी युवजन सभा के छात्र संघ के अध्यक्ष होते रहे और जिसका प्रभाव पूरे उत्तर प्रदेश की राजनीति पर पड़ा।

संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के नेतृत्व में वर्ष 1966 में समाजवादी युवजन सभा के नेतृत्व में मंहगाई, बेरोजगारी, अंग्रेजी हटाओ, सस्ती शिक्षा को लेकर एक प्रदेश व्यापी आन्दोलन किया गया था। काफी छात्र विभिन्न जिलों में बन्द थे। जनेश्वर मिश्र, सतीश अग्रवाल, विनोद चन्द्र दूबे, श्री राम द्विवेदी, जगदीश चन्द्र दीक्षित और दर्जनों छात्र नेता भी जेल में बन्द थे। जनेश्वर मिश्र ने फूलपुर लोकसभा क्षेत्र से विजय लक्ष्मी पण्डित के खिलाफ पर्चा भर दिया। चुनाव प्रचार जोरों पर था, पत्रकारों ने विजय लक्ष्मी पण्डित से पूछा कि आपके खिलाफ कौन चुनाव लड़ रहा है और वह कहां पर है तो उन्होंने शर्माते हुए कहा कि मुझे नही मालूम लेकिन जब उन्हे पता चला कि उनके खिलाफ चुनाव लड़ने वाले जनेश्वर मिश्र जेल में हैं तो उन्होंने सरकार पर दबाव डलवाकर उन्हें छुड़वाया।

चुनाव में कुछ ही दिन बचे थे और विजय लक्ष्मी पण्डित चुनाव जीत गईं। कुछ समय के बाद प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी जी से विजय लक्ष्मी पण्डित जी की तकरार हो गई और उन्होंने लोकसभा और कांग्रेस पार्टी दोनों से इस्तीफा दे दिया और फिर खाली हुई सीट पर जनेश्वर मिश्र ने कांग्रेस के उम्मीदवार और प्रसिद्ध वामपंथी विचारक के केशवदेव मालवीय को हराकर लोकसभा का चुनाव जीत लिया।

जनेश्वर जी 1969, 1977 से 1980, 1989 से 1991 तक लोकसभा और 1996 में राज्यसभा के लिए चुने गए दोबारा 2000 में राज्यसभा के लिए चुने गए और जीवन के अन्तिम समय तक राज्यसभा के ही सदस्य रहे। कई बार केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य रहने के बावजूद उनका अपना घर नही था और उनकी अपनी निजी सम्पत्ति नहीं थी।

जब समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष श्री मुलायम सिंह यादव जी ने घेरा डालो, डेरा डालो, आन्दोलन का आह्वान किया तो उस समय बीमार होते हुए भी जनेश्वर जी इलाहाबाद गए और बहुत बड़ी जनसभा को सम्बोधित करने के बाद उनकी तबीयत वहीं से खराब हुई और 22 जनवरी 2010 को उन्होंने जीवन की अंतिम सास ली।

(लेखक पूर्व विधायक व समाजवादी पार्टी के प्रदेश महासचिव हैं)

उत्तराखंड के अंकिता कांड पर सपा मुखर

बुलेटिन ब्यूरो

उत्तराखंड की बेटी अंकिता भंडारी की हत्या से आहत एवं क्रोधित समाजवादी पार्टी ने अंकिता के परिवार को न्याय दिलाने के लिए संघर्ष छेड़ दिया है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने अंकिता भंडारी के परिवार का साथ देने का उत्तराखंड समाजवादी पार्टी को निर्देश दिया है और स्वयं भी अखिलेश जी ने अंकिता को न्याय दिलाने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं।

अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने के लिए उत्तराखंड में चल रहे आंदोलन में समाजवादी पार्टी मुखरता के साथ शामिल हो रही है। 9 फरवरी को हुई महापंचायत में भी इंडिया गठबंधन के दलों के साथ समाजवादी पार्टी ने शिरकत की और सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में सीबीआई जांच कराने की मांग को ताकत दी।

अंकिता भंडारी न्याय मंच द्वारा आयोजित महापंचायत में मुखरता के साथ आवाज उठाई गई कि अंकिता भंडारी के माता पिता द्वारा दी गई तहरीर का सीबीआई संज्ञान ले और जिन लोगों ने साक्ष्य मिटाए हैं, उन्हें भी जांच की परिधि में लाया जाए।

महापंचायत में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉ. सत्य नारायण सचान के नेतृत्व में सर्वश्री महंत शिवम् कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, अतुल शर्मा, सत्येंद्र कुमार राय, हेमा वोहरा, डॉ. नसीर अहमद, महाबीर सिंह, तारा राजपूत, कुसुम देवी, ज्योति, संगीता, रश्मि, आरिफ वारिसी गुड्डू, सुमन देवी, यदुवीर सिंह, सोनम बागवाडी एडी शीर्ष राम कंसवाल, फुरकान अहमद और राधेश्याम वर्मा आदि प्रमुख नेता शामिल हुए।

अंकिता भंडारी हत्याकांड पर गहरा दुख जताते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तराखंड की बेटी अंकिता के साथ हुए अन्याय के खिलाफ हम हर आंदोलनकारी के साथ हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अपराधियों को सदस्यता देती है और संरक्षण भी। भाजपाई सफेदपोशों के काले कारनामे सामने तभी आएंगे जब इस निर्मम हत्याकाण्ड की सख्त, निष्पक्ष न्यायिक जांच होगी।

उलेमाओं का संकल्प
यूपी में अखिलेश सरकार बनाएंगे

बुलेटिन ब्यूरो

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव से 23 जनवरी को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए उलेमाओं और प्रमुख लोगों ने पार्टी के राज्य मुख्यालय में मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर वार्ता की।

वार्ता के दौरान श्री अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव लोकतंत्र के लिए अग्नि परीक्षा है। भाजपा विधानसभा चुनाव में साजिश और षड्यंत्र करेगी। भाजपा में जनता के प्रति कोई ईमानदारी नहीं है। भाजपा सरकार पीडीए से नफरत करती है और पीडीए को अपमानित कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यही पीडीए भाजपा को परास्त करेगा। इस सरकार का अहंकार चरम पर है। बस समय आ गया है। अहंकारियों का अस्तित्व नहीं बचेगा।

श्री अखिलेश यादव ने आह्वान किया कि बुरे लोगों को हटाने के लिए अच्छे लोग एक साथ आ जाएं। नकारात्मक लोगों को हटाने के लिए सकारात्मक लोग एकजुट हो जाएं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है।

श्री अखिलेश यादव से भेंट वार्ता करने वालों में कारी सलीम अहमद कासमी देवबंद, मौलाना मो आरिफ जहूर कासमी, कारी मो सलीम, मुफ्ती फतीहउद्दीन कासमी, मौलाना इकबाल कादरी राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी अल्संख्यक सभा, मो शकील नदवी प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्यक सभा, मौलाना नवेद अहमद, मौलाना मोहम्मद असद, मौलाना मरगुबुर्रहमान, मौलाना अब्दुल ओसामा, हाफिज शमीम अहमद, मौलाना मो शहजाद, मौलाना मोहम्मद फैजान, मौलाना मुकीम कास्मी, मौलाना अजीम कासमी, मौलाना मुईम कास्मी, मौलाना मो इमरान हापुड़ तेजपाल प्रमुख, चौधरी फिदा हुसैन राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय किसान यूनियन शामिल रहे। इस मौके पर पूर्व कैबिनेट मंत्री श्री राजेन्द्र चौधरी भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर सभी लोगों ने श्री अखिलेश यादव के कामकाज की सराहना करते हुए कहा कि उनके मुख्यमंत्री रहते हुए उत्तर प्रदेश में जितना विकास कार्य हुआ है, मौजूदा सरकार कभी उसकी बराबरी नहीं कर सकती।

उन्होंने कहा कि श्री अखिलेश यादव ने हिन्दू-मुस्लिम एकता की बेहतरीन मिसाल कायम की। हम सभी लोग वायदा करते हैं कि आने वाले वक्त में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाकर श्री अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाएंगे जिससे प्रदेश भी नहीं पूरा देश तरक्की और खुशहाली की ओर बढ़े। देश में अमन और भाईचारा कायम हो सके।

साफ़ और बेबाक

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Socialist Leader of India | President @samajwadiparty | Member of Parliament, Kannauj | Former Chief Minister, Uttar Pradesh

Lucknow, India · samajwadiparty.in · Joined July 2009

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 1d

चुनाव आयोग को हमारे प्रतिनिधिमंडल द्वारा जो ज्ञापन सौंपा गया है वो एक ऐसी आशा है जो हर इंसान के अंदर बैठे ईमानदार ज़मीर से दुनिया हमेशा करती आई है। सदैव ये नहीं होता कि लोग कुछ गलत करते हैं, कभी-कभी सत्ताधारी दल के लोग अधिकारियों को गलत करने पर मजबूर भी करते हैं। बचपन में हमने 'पंच परमेश्वर' की जो कहानी सुनी थी, उस पर हमारा एतबार आज भी क़ायम है।

SIR में फ़ार्म 7 की अनगिनत धांधलियों और गड़बड़ियों को लेकर हमारी जो आपत्तियाँ और ठोस साक्ष्य हैं, उनका संज्ञान लेकर चुनाव आयोग न्यायसंगत निर्णय लेगा और इस अपराध के लिए क़ानूनी कार्रवाई करते हुए दोषियों के ख़िलाफ़ FIR भी करेगा, ये हमारा अटूट विश्वास है। चुनाव आयोग जब अपने गौरवशाली अतीत के प्रति सजग रहेगा तभी लोकतंत्र बचेगा और चुनाव आयोग के हर अधिकारी का मान-सम्मान भी।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

हमारा 'पीडीए परिवार' जैसे-जैसे बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे अपरिवारी-अपंजीकृत लोगों का आत्मविश्वास धँसता जा रहा है।

जिनके परिवार नहीं होते वो ही किसी की सम्माननीय अर्द्धांगिनी को 'धर्म पत्नी' के स्थान पर भरे सदन में अभद्र-अपमानजनक शब्द से संबोधित कर सकते हैं।

भाजपाइयों और उनके संगी-साथियों को परिवार अगर इतना बुरा लगता है तो घोषित कर दें कि न तो किसी परिवार का वोट लेंगे, न ही उनसे कोई चंदा।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

अब 'पीडीए सरकार' आएगी और समाजवादी पेंशन से भी आगे जाकर 'स्त्री सम्मान-समृद्धि योजना' लाएगी, हर नारी के सिर से बोझ हटाएगी, तरक़्क़ी के नये रास्ते बनाएगी, हर घर को ख़ुशहाली से भरकर दिखाएगी।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

@ कानपुर

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

ये है भ्रष्ट भाजपा की चोरी के सबूत... बिना नंबर प्लेट के तस्करी के वाहन चलवानेवाले दूसरों से सर्टिफिकेट माँग रहे हैं।

उप्र भाजपाई भ्रष्टाचार के महा-दलदल में फँस गया है।

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

जिस भाजपा राज में एसपी फ़रार हो गया हो और एक ऐसा आईएएस भी जो निवेश के नाम पर 5% एडवांस लेता था, तो किसी अन्य लापता-गुमशुदा को कौन ढूँढ सकता है।

भाजपा की सरकार को भी लापता की लिस्ट में डाल देना चाहिए।

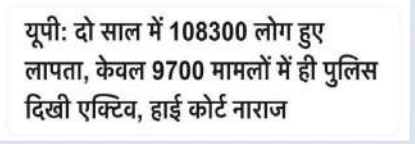

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

जो बातें करता भद्दी-भद्दी
उसको नहीं सुहाती गद्दी

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

हम यही माँग काशी में हटाई गई मूर्तियों के लिए करते हैं।

BBC News Hindi
@BBCHindi

भारत ने मेलबर्न में महात्मा गांधी की तोड़कर हटाई गई प्रतिमा तुरंत बरामद करने की मांग की.
पूरी ख़बर पढ़ें : bbc.in/4q8LC7z
Translate post

Akhilesh Yadav
@yadavakhilesh

Show translation

ये भर्ती नहीं दिखावा है, भाजपा का छलावा है!

सरकार बताए कि :
- भर्ती में कुल कितने अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था?
- अभ्यर्थियों को शार्ट लिस्ट करने का आधार क्या रहा?
- आख़िरकार कितनों की सच में भर्ती होगी?
- भर्ती का सेवाकाल कितना रहेगा?

Following

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

गिरती/फटती टंकी समाचार : एक और टंकी भाजपाई भ्रष्टाचार का बोझ न उठा पाई। पहले 'गिरती टंकी समाचार' महीने में एक बार आता था, अब ये समाचार सप्ताहिक आने लगे हैं।

ये 'जल जीवन मिशन' नहीं 'जल कमीशन मिशन' है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

@ उन्नाव

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 5d

बड़ी सोच के बड़े काम, जनता के नाम।

#आगरा_लखनऊ_एक्सप्रेसवे

Akhilesh Yadav @yadava... · 11 Feb

यूपी सरकार के विदाई बजट के साथ भाजपा की भी विदाई तय है।

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

शिष्टाचार भेंट!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

अब क्या बुलडोज़र की जगह ब्रह्मोस भेजेंगे...
दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई कुछ ज़्यादा ही आगे बढ़ गयी है क्या?

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 2d

सब आएं सब ही पुण्य कमाएं
शब्द-कर्म के सब पाप मिटाएं

श्री केदारेश्वर महादेव मंदिर, इटावा, उप्र के श्री दर्शन से सबके मन में सबके प्रति न्यायसंगत प्रेमपूर्ण सु-दृष्टि, सर्व सुखदायी मधुर वाणी एवं समतामूलक कल्याणकारी भावना जागे।

एवमस्तु, एवमस्तु, एवमस्तु!!!

Akhilesh Yadav @yadavakhilesh

Show translation

महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, 'भारत रत्न' ख़ान अब्दुल ग़फ़्फ़ार ख़ान जी की जयंती पर कोटिश: नमन।

Akhilesh Yadav @yadavakhil... · 1d

न कोई आया है, न कोई लाया गया है।

पंजीकृत डाक पंजीकरण संख्या GPO/LW/NP-300/2024-2026 कुल पृष्ठ : 52 डिस्पैच तिथि : 15, 16, 17

मरना

आदमी
मरने के बाद
कुछ नहीं सोचता

आदमी मरने के बाद
कुछ नहीं बोलता

कुछ नहीं सोचने
और कुछ नहीं बोलने पर

आदमी
मर जाता है

उदय प्रकाश
(साभार: हिन्दवी)

समाजवादी पार्टी
/samajwadiparty
www.samajwadiparty.in
QR कोड स्कैन करें और
वाट्स-एप चैनल से जुड़ें
/Akhilesh Yadav
/Samajwadi Party